डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

वर्ष-11 अंक-35 प्रयागराज, रविवार 28 अगस्त 2022 से शनिवार 03 सितंबर 2022 तक पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

सिनेमाः श्रीवल्ली' की दरियादिली पर दिल हार बैठे फैंस...8)

संक्षिप्त समाचार

अचानक मां से मिलने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । लिया आशीर्वादप्रधानमंत्री मोदी के छोटे भाई पंकज मोदी ने बताया कि देर शाम वह मां से मिले और उनके साथ आधा घंटा बिताया। इसके बाद वह राजभवन के लिए रवाना हो गए। दो दिवसीय गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार शाम अपनी मां हीराबेन मोदी से मुलाकात की। साबरमती नदी पर अटल पुल के उद्घाटन और खादी उत्सव कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पीएम मोदी गांधीनगर के रायसन इलाके में स्थित अपनी मां के आवास पर पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी के छोटे भाई पंकज मोदी ने बताया कि देर शाम वह मां से मिले और उनके साथ आधा घंटा बिताया। खबरों के मुताबिक, मां हीराबेन से मुलाकात करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी राजभवन के लिए रवाना हो गए। यहीं उन्होंने रात्रि विश्राम किया। बता दें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। आज पीएम कच्छ व गांधीनगर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। खादी प्रेरणा-स्रोत बन सकता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल साबरमती नदी पर पैदल पुल 'अटल ब्रिज' का उद्घाटन किया था। शाम को वे यहां उनहोंने खादी महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित भी किया था। इस दौरान उन्होंने कहा, अटल ब्रिज, साबरमती नदी को, दो किनारों को ही आपस में नहीं जोड़ रहा, बल्कि ये डिजाइन और इनोवेशन में भी अभूतपूर्व है। इसकी डिजाइन में गुजरात के मशहूर पतंग महोत्सव का भी ध्यान रखा गया है।

कांग्रेस को नया अध्यक्ष मिलने की तारीख पर मंथन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । सीडब्लूसी की बैठक में होगा फैसलाकांग्रेस के नए अध्यक्ष के चुनाव कार्यक्रम की तारीखों को लेकर आज केंद्रीय कार्यसमिति के सदस्यों की बैठक होगी। सोनिया गांधी वर्चुअली रूप से शामिल होकर इस बैठक की अध्यक्षता करेंगी। दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद उठ रहे कांग्रेस के भविष्य और उसके अगले अध्यक्ष के सवालों के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, रविवार को कांग्रेस पार्टी की केंद्रीय कार्यसमिति (सीडब्लूसी) की बैठक होगी। बैठक में कांग्रेस पार्टी के नए अध्यक्ष और पार्टी के अगले अध्यक्ष के चुनाव की तारीखों पर मंथन होगा। सूत्रों का ये भी कहना है कि बैठक के बाद तिथियों की घोषणा की भी संभावना है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सोनिया गांधी वर्चुअली रूप से शामिल होकर इस बैठक की अध्यक्षता करेंगी। गौरतलब है कि सोनिया गांधी इस समय मेडिकल चेकअप के लिए विदेश दौरे पर हैं और राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी उनके साथ हैं। सूत्रों ने बताया कि रविवार को होने वाली सीडब्लूसी की बैठक का एजेंडा कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के शेड्यूल पर चर्चा करना मात्र है, लेकिन इसमें गुलाम नबी आजाद के इस्तीफा देने पर भी चर्चा हो सकती है।कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट करके इस मीटिंग के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि 'कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की तारीख के सटीक शेड्यूल को मंजूरी देने के लिए सीडब्लूसी की एक वर्चुअल बैठक 28 अगस्त 2022 को दोपहर 3:30 बजे आयोजित की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी सीडब्लूसी की बैठक की अध्यक्षता करेंगी।' बता दें कि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद होने वाली यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।गौरतलब है कि कांग्रेस ने कुछ ही दिन पहले नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को टाल दिया था। कांग्रेस ने पिछले साल अक्टूबर में घोषणा की थी कि पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव इस साल 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच होगा। सीडब्लूसी ने फैसला किया था कि 16 अप्रैल से 31 मई तक ब्लॉक समितियों और राज्य कांग्रेस इकाइयों के एक सदस्य के लिए चुनाव होंगे। इसके बाद जिला समिति के प्रमुखों का चुनाव एक जून से 20 जुलाई के बीच और राज्य प्रमुखों और एआईसीसी सदस्यों का चुनाव 21 जुलाई से 20 अगस्त के बीच होगा। वहीं, एआईसीसी अध्यक्ष का चुनाव 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच होगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में कुछ हफ्तों की देरी होने की संभावना भी है क्योंकि पार्टी का ध्यान कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' पर है जो 7 सितंबर से शुरू हो रही है। यह बैठक राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई नेताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से राहुल गांधी से दोबारा कांग्रेस के अध्यक्ष बनने का आग्रह किया था। हालांकि इस मुद्दे पर अनिश्चितता और सस्पेंस बरकरार है। वहीं, पार्टी के कई अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी अपने रुख पर कायम है कि वह एआईसीसी अध्यक्ष नहीं होंगे। 2019 में संसदीय चुनावों में पार्टी को लगातार दूसरी हार का सामना करने के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में इस्तीफा दे दिया था।

भाजपा और सपा आमने-सामने, लोगों ने कहा भाजपा सभी भ्रष्टाचारियों को जेल भेजे

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । दोनों डिप्टी सीएम ने ट्वीट कर सपा और अखिलेश यादव पर साधा निशाना। सपा ने कहा कि उनकी सरकार जब आई तो मामला कोर्ट में था नोएडा में भ्रष्टाचार के जीते जागते सबसे बड़े उदाहरण में से एक ट्विन टावर के जमींदोज होने पर सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। भाजपा ने ट्विन टावर में भ्रष्टाचार को समाजवादी पार्टी का जीवंत प्रमाण बताया। उत्तर प्रदेश सरकार के दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने बाकायदा गिराए जाने वाले ट्विन टावर के भ्रष्टाचार में समाजवादी पार्टी को न सिर्फ घेरा है, बल्कि भाजपा के सुशासन की तारीफ भी की है। हालांकि, समाजवादी पार्टी के दोनों उप मुख्यमंत्रियों के इस ट्वीट को बेमतलब का ट्वीट करार देते हुए भारतीय जनता पार्टी पर ही निशाना साधा है। नोएडा में गिराए जाने वाले सुपरटेक के ट्विन टावर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने रविवार को सुबह साढ़े छह बजे ही ट्वीट कर समाजवादी पार्टी पर हमलावर हो गए। बृजेश पाठक लिखते हैं कि नोएडा का सुपर ट्विन टावर समाजवादी पार्टी के भ्रष्टाचार और अराजकता की नीति का जीता जागता उदाहरण है। उन्होंने लिखा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में समाजवादी पार्टी के भ्रष्टाचार के प्रतीक के तौर पर खड़ी यह अवैध इमारत आज जमींदोज हो रही है। पाठक ने लिखा यही न्याय है और यही सुशासन। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के इस ट्वीट के बाद उत्तर प्रदेश के ही दूसरे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी दिन में पौने बारह बजे सुपरटेक के बनाए गए इस अवैध ट्विन टावर पर अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी को जिम्मेदार बताया। मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में भ्रष्टाचार और अराजकता की नीति का इससे बड़ा जीवंत प्रमाण और क्या हो सकता है। वो कहते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने समाजवादी पार्टी के भ्रष्टाचार की इमारत ढहा दी। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है कि यही न्याय है और यही सुशासन है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी कहते हैं कि नोएडा ट्विन टावर को लेकर किए गए उत्तर प्रदेश सरकार के दोनों उप मुख्यमंत्रियों के ट्वीट महज राजनीतिक ट्वीट हैं। चौधरी कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी को कुछ कहना है इसीलिए वह कह रही है। उनका आरोप है कि हकीकत में अवैध निर्माण की अनुमति और बनाने का सिलसिला तो उनकी संयुक्त सरकार में हुआ था और वो कहते हैं कि तब क्यों नहीं इस अवैध बिल्डिंग को बनाने के पूरे क्रम को रोका गया। चौधरी कहते हैं कि जब उनकी सरकार आई तब यह मामला पहले से ही हाईकोर्ट में था। उनकी सरकार ने तो बाकायदा इस भ्रष्टाचार की मुहिम में लड़ाई लड़ने वाले आरडब्लूए का साथ दिया। समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के आरोप-प्रत्यारोप को लेकर आरडब्लूए का कहना है कि किसी भी राजनीतिक दल ने अगर अपनी इच्छाशक्ति जाहिर की होती तो शायद इस तरीके के अवैध निर्माण की अनुमति ही नहीं मिलती। आरडब्लूए से जुड़े और इस अवैध टावर की लड़ाई लड़ने वालों में शामिल आरएन पारेख कहते हैं कि राजनीतिक बयानबाजी सिर्फ अपनी राजनीति चमकाने के लिए ही की जा रही है। पारेख कहते हैं कि सरकार का शिकंजा अगर इतना मजबूत होता तो इस अवैध ट्विन टॉवर को मंजूरी देने वाले नोएडा अथॉरिटी के तत्कालीन सीईओ मोहिंदर सिंह, पूर्व एसीओ आरपी अरोड़ा समेत दूसरे बड़े नोएडा अथॉरिटी के अधिकारी अब तक न सिर्फ जेल में होते बल्कि उनको कड़ी से कड़ी सजा मिल चुकी होती। उनका कहना है यह लड़ाई आरडब्लूए ने जीती है। सरकारें तो महज तमाशा देखती रही। मामला हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक गया और आखिरकार उनको न्याय मिला। राजनैतिक गलियारों में चर्चाएं इस बात को लेकर के जरूर है कि इस पूरे मामले में राजनीतक दल अपने-अपने लिहाज से चीजों को आगे देख रहे है। सुपरटेक के एमेरल्ड कोर्ट में रहने वाले अशोक अग्रवाल कहते है किसी भी राजनीतिक पार्टी को इसम बेवजह क्रेडिट लेने की आवश्यकता नहीं है। वह कहते है सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भ्रष्टाचार की इमारत गिराई गई है। इसलिए इसमें किसी भी राजनीतिक पार्टी का कोई योगदान नहीं है। वह कहते है कि सपा बसपा और भाजपा सरकार में लगातार वह जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क में रहे लेकिन किसी ने कोई भी मदद नहीं की। हालांकि एमेरल्ड कोर्ट की ही रहने वाली कनक अरोड़ा कहती है कि कम से कम भाजपा सरकार में यह इमारत तो गिरी। उनको भरोसा है कि आने वाले दिनों में वह जिम्मेदार अधिकारी भी जेल में जाएंगे और उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। आरएडब्लूए से जुड़े लोगों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी अगर इस पूरे मामले का क्रेडिट लेना चाहती है तो उन सभी जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को जेल के भीतर डालना होगा जिन लोगों ने इस अवैध इमारत को बनवाने में मदद की थी।

आनंद शर्मा ने उठाया बड़ा सवाल पृथ्वीराज चव्हाण बोले- कठपुतली बना प्रमुख तो नहीं बचेगी पार्टी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली ।कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने रविवार को सीडब्लूयू मीटिंग में पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार करने पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि पार्टी के संविधान के तहत उचित प्रक्रिया का पालन किया गया या नहीं। सूत्रों ने यह जानकारी दी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव कार्यक्रम को सूचीबद्ध करने से पहले कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्लूसी) की मीटिंग में शर्मा ने सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि उन्हें शिकायतें मिली हैं कि मतदाता सूची को अंतिम रूप देने के लिए न तो कोई वर्चुअल और न ही कोई फिजिकल मीटिंग आयोजित की गई। जी-23 असंतुष्ट नेताओं में शामिल शर्मा ने यह भी बताया कि किसी भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी को उन प्रतिनिधियों की कोई सूची नहीं मिली है जो कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान करेंगे और इस तरह की प्रक्रिया चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता का उल्लंघन करती है। वयोवृद्ध नेता ने एक सप्ताह पहले हिमाचल प्रदेश के लिए पार्टी की संचालन समिति की अध्यक्षता से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया था कि लगातार बहिष्कार और अपमान के बाद उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा था। सूत्रों ने कहा कि शर्मा ने चुनाव के लिए मतदान करने वाले प्रतिनिधियों की चुनावी सूची को सार्वजनिक करने का भी आह्वान किया, जिस पर मिस्त्री ने कहा कि यह चुनाव लड़ने के इच्छुक किसी भी उम्मीदवार के साथ-साथ पंजाब प्रदेश प्रमुख कमेटी को भी उपलब्ध कराया जाएगा।मिस्त्री ने कहा कि 9,000 से अधिक जनप्रतिनिधि हैं जो कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान करेंगे और सभी सूचियों को जनसंपर्क अधिकारियों और सहायक जनसंपर्क अधिकारियों द्वारा सत्यापित और हस्ताक्षरित किया गया है।सीडब्लूयूसी की बैठक शुक्रवार को पार्टी के दिग्गज नेता रहे गुलाम नबी आजाद के तीखे पत्र से हुई उथल-पुथल के बीच हुई। पत्र में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया था। आजाद और शर्मा 23 असंतुष्ट नेताओं के समूह का हिस्सा रहे हैं जिन्होंने 2020 में सोनिया गांधी को पत्र लिखकर संगठन के सभी स्तरों पर चुनाव सहित बड़े पैमाने पर सुधार की मांग की थी। सीडब्लूयूसी मीटिंग की अध्यक्षता सोनिया गांधी ने वर्चुअल तरीके से की क्योंकि वह चिकित्सा जांच के लिए विदेश में हैं। इस बीच महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने रविवार को आगाह किया कि अगर किसी को कठपुतली अध्यक्ष बनाया गया तो कांग्रेस नहीं बचेगी। चव्हाण ने कहा कि सीडब्लूयूसी सहित सभी पदों के लिए चुनाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी को बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है और बैकसीट ड्राइविंग काम नहीं करेगी। चव्हाण भी 23 असंतुष्ट सदस्यों के समूह का हिस्सा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि अगर राहुल गांधी अध्यक्ष नहीं बनना चाहते हैं, तो वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए और चुनाव के माध्यम से कांग्रेस का नया अध्यक्ष चुना जाना चाहिए।

अरुणाचल सीमा के पास चीन कर रहा कंस्ट्रक्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)

उरुणाचल ।लोगों ने बनाया वीडियोकंस्ट्रक्शन गतिविधियों का यह वीडियो 11 अगस्त 2022 का बताया जा रहा है। वीडियो में कुछ लोग मशीनों से पहाड़ी तोड़ रहे हैं। चीन की सेना एक बार फिर अरुणचाल प्रदेश स्थित भारत-चीन सीमा सीमा के पास गतिविधियां करती देखी गई है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अरुणाचल प्रदेश से लगी सीमा के पास बड़ी-बड़ी मशीने लाकर निर्माण कार्य कर रही है। राज्य के अंजॉ जिले के स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक वीडियो सामने आया है जिसमें दावा किया जा रहा है कि अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास चीनी सेना की कंस्ट्रक्शन में काम आने वाली भारी मशीनों को काम करते हुए देखा गया है। अरुणाचल प्रदेश के अंज जिले के लोगों के मुताबिक, पीएलए के सैनिक भारतीय सीमा के नजदीक स्थित चागलागम के हाडीगारा-डेल्टा 6 इलाके में निर्माण कार्य कर रहे हैं।कंस्ट्रक्शन गतिविधियों का यह वीडियो 11 अगस्त 2022 का बताया जा रहा है। वीडियो में कुछ लोग मशीनों से पहाड़ी तोड़ रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश में एलएसी के नजदीक रहने वाले लोगों ने चीन की इस कथित घुसपैठ पर गंभीर चिंता जताई है। भारत-चीन सीमा के पास चागलागम भारत की आखिरी एडमिनिस्ट्रेटिव पोस्ट है। सूत्रों ने बताया कि यहां तक पहुंचने में करीब 4 दिन लगते हैं।स्थानीय निवासियों ने बताया कि भारतीय सेना अब किसी को इंटरनेशनल सीमा के पास नहीं जाने देती। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि भारत की ओर खड़ा किया गया इन्फ्रास्ट्रक्चर कमजोर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीमा सड़क संगठन यहां काफी धीमी गति से काम कर रहा है, जबकि चीन ने सीमा तक पहुंचने के लिए चार-लेन का रास्ता तैयार कर लिया है। चीन हिंदी जानने वालों की कर रहा है भर्ती लद्दाख सीमा विवाद के बीच चीन भारत के खिलाफ तमाम तरह के पैंतरे आजमा रहा है। चीनी सेना तिब्बत और नेपाल से हिंदी भाषा जानने वालों की भर्ती कर रही है। इससे पहले भी खबरें आई थीं कि चीन अरुणाचल प्रदेश से लगी सीमा के पास अपनी ताकत बढ़ा रहा है। मई 2022 में भारतीय सेना के इस्टर्न कमांड के ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कालिता ने जानकारी देते हुए कहा था कि चीनी सेना ने एलएसी के पास गांव बसाए हैं। उन्होंने कहा था कि चीन अपनी सीमा के पास सड़क, रेल और एयर कनेक्टिविटी बढ़ा रहा है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय को नौ अतिरिक्त न्यायाधीश मिले

(आधुनिक समाचार सेवा)

कलकत्ता। दो साल की अवधि के लिए किए गए नियुक्तअधिसूचना के अनुसार, वरिष्ठता क्रम के आधार पर इन सभी जजों की नियुक्ति की गई है। कलकत्ता हाईकोर्ट को नौ अतिरिक्त जज मिल गया है। कानून मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। कानून मंत्रालय में न्याय विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, नौ नए अतिरिक्त न्यायाधीशों को दो साल की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है। आमतौर पर अतिरिक्त न्यायाधीशों को दो साल के लिए नियुक्त किया जाता है और फिर उन्हें स्थायी न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया जाता है। अधिसूचना के अनुसार, वरिष्ठता क्रम के आधार पर इन सभी जजों की नियुक्ति की गई है। ये है 9 जजों की सूची बिस्वरूप चौधरी, पार्थ सारथी सेन, प्रसेनजीत विश्वास, उदय कुमार, अजय कुमार गुप्ता, सुप्रतिम भट्टाचार्य, पार्थ सारथी चटर्जी, अपूर्व सिन्हा रे और मोहम्मद शब्बर रशीदी को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

कम्युनिस्ट नेता कोडियेरी बालकृष्णन ने पद से दिया इस्तीफा

(आधुनिक समाचार सेवा)

केरल । स्वास्थ्य कारणों का दिया हवाला केरल के कम्युनिस्ट नेता और माकपा के राज्य सचिव कोडियेरी बालकृष्णन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। केरल के कम्युनिस्ट नेता और माकपा के राज्य सचिव कोडियेरी बालकृष्णन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस इस्तीफे के पीछे खराब स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है। दूसरी ओर बालकृष्णन के इस्तीफे के तुरंत बाद पार्टी ने आबकारी मंत्री एमवी गोविंदन मास्टर को माकपा के नए राज्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।

पीएम मोदी की किसानों से अपील- अधिक से अधिक मोटे अनाजों को उपजाएं और फायदा उठाए

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश की जनता को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने अमृत महोत्सव के साथ-साथ बीते दिन आयोजित किए गए तिरंगे अभियान की भी चर्चा की। इसके अलावा पीएम मोदी ने कुपोषण के खिलाफ अभियान के बारे में बात की। इसके बाद उन्होंने किसानों से मोटे अनाजों को उपजाने की अपील की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक ने आज पीएम मोदी की 'मन की बात' सुनी। पीएम मोदी ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले में जोरसिंग गांव में इसी महीने स्वतंत्रता दिवस के दिन से 43 इंटरनेट की सेवाएं शुरू हुई। जो सुविधाएं कभी सिर्फ बड़े शहरों में होती थी वो डिजिटल इंडिया ने गांव-गांव में पहुंचा दी है। पहाड़ों की जीवनशैली और संस्कृति से हमें पहला पाठ तो यही मिलता है कि हम परिस्थितियों के दबाव में ना आएं तो आसानी से उन पर विजय भी प्राप्त कर सकते हैं, और दूसरा, हम कैसे स्थानीय संसाधनों से आत्मनिर्भर बन सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने एक प्रस्ताव पारित कर वर्ष 2023 को घोषित किया है। आपको ये जानकर भी बहुत खुशी होगी कि भारत के इस प्रस्ताव को 70 से ज्यादा देशों का समर्थन मिला था। आज, दुनिया भर में इसी मोटे अनाज का का क्रेज बढ़ता जा रहा है। बाजरा, मोटे अनाज, प्राचीन काल से ही हमारी खेती, संस्कृति और सभ्यता का हिस्सा रहे हैं। हमारे वेदों में भी बाजरा का उल्लेख मिलता है, और इसी तरह, पुराणनुरू और तोल्काप्पियम में भी, इसके बारे में, बताया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत, विश्व में बाजरा का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, इसलिए इस पहल को सफल बनाने की बड़ी जिम्मेदारी भी हम भारत-वासियों के कंधे पर ही है। हम सबको मिलकर इसे जन-आंदोलन बनाना है, और देश के लोगों में मोटे अनाजों के प्रति जागरूकता भी बढ़ानी है। मेरा, अपने किसान भाई-बहनों से, यही आग्रह है कि बाजरा, यानी मोटे अनाज को, अधिक-से-अधिक अपनाएं और इसका फायदा उठाएं। पीएम मोदी ने कहा कि आप कल्पना कर सकते हैं, क्या कुपोषण दूर करने में गीत-संगीत और भजन का भी इस्तेमाल हो सकता है मध्य प्रदेश के दतिया जिले में मेरा बच्चा अभियान, इस मेरा बच्चा अभियान में इसका सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया। इसके तहत, जिले में भजन-कीर्तन आयोजित हुए, जिसमें पोषण गुरु कहलाने वाले शिक्षकों को बुलाया गया। एक मटका कार्यक्रम भी हुआ, इसमें महिलाएं, आंगनबाड़ी केंद्र के लिए मुट्ठी भर अनाज लेकर आती हैं और इसी अनाज से शनिवार को 'बालभोज' का आयोजन होता है। इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ने के साथ ही कुपोषण भी कम हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि आप कल्पना कर सकते हैं, क्या कुपोषण दूर करने में गीत-संगीत और भजन का भी इस्तेमाल हो सकता है मध्य प्रदेश के दतिया जिले में मेरा बच्चा अभियान ने इसका सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया। इसके तहत, जिले में भजन-कीर्तन आयोजित हुए, जिसमें पोषण गुरु कहलाने वाले शिक्षकों को बुलाया गया। एक मटका कार्यक्रम भी हुआ, इसमें महिलाएं, आंगनबाड़ी केंद्र के लिए मुट्ठी भर अनाज लेकर आती हैं और इसी अनाज से शनिवार को 'बालभोज' का आयोजन होता है। इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ने के साथ ही कुपोषण भी कम हुआ है। मन की बात' में ही चार महीने पहले मैंने अमृत सरोवर की बात की थी। उसके बाद अलग-अलग जिलों में स्थानीय प्रशासन जुटा, स्वयं सेवी संस्थाएं और स्थानीय लोग जुटे, देखते ही देखते अमृत सरोवर का निर्माण एक जन आंदोलन बन गया है। पीएम मोदी ने कहा कि अमृत महोत्सव के ये रंग, केवल भारत में ही नहीं, बल्कि, दुनिया के दूसरे देशों में भी देखने को मिले। बोत्स्वाना में वहां के रहने वाले स्थानीय गीतकारों ने भारत की आजादी के 75 साल मनाने के लिए देशभक्ति के 75 गीत गाए। इसमें और भी खास बात ये है, कि ये 75 गीत हिन्दी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, असमिया, तमिल, तेलुगू, कनन्ड़ा और संस्कृत जैसी भाषाओं में गाए गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि नामीबिया में भारत- नामीबिया के सांस्कृतिक-पारंपरिक संबंधों पर विशेष स्टैम्प जारी किया है। इस अवसर पर जो भारतीय विदेशों में थे, वो भी किसी से पीछे नहीं रहे।

हर शुभ दिन एक पौधा लगाए अभियान के तहत बादशाह पार्क में पौधारोपण हुआ प्रगति विचार धारा की पहल पर विलुप्त हो रहे पोधो को लगाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ।प्रगति विचारधारा फाउंडेशन के द्वारा चलाई जा रही पहल हर शुभ दिन एक पौधा लगाए अभियान के तहत बादशाह पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जलदूत नन्द किशोर वर्मा , जय शंकर झा शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष नेहा खरे ने की। महानगर के खान मार्केट स्थित बादशाह पार्क में समीक्षा अधिकारी उत्तर प्रदेश सचिवालय नीरज खरे के जन्म दिन पर यह आयोजन किया गया उन्होंने बडी सादगी के साथ इस जन्म दिन को पौधा रोपण करके मनाया दौरान विभिन्न प्रकार के छायादार फलदार पौधे जैसे जामुन, आंवला, अमरूद, शीशम एवं केशिया गलुका कैथ, इमली ,जामुन आदि के पौधे लगाए। पौधारोपण के बाद सभी सदस्यों ने उनकी देखभाल करने की शपथ ली और कहा कि वे भविष्य में भी समय-समय पर पौधारोपण करते रहेंगे। नन्द किशोर वर्मा जलदूत सहित उपस्थित लोगो ने अपने-अपने नाम से पौधारोपण किया और उनकी देखभाल करने का प्रण लिया। जलदूत ने कहा कि पौधारोपण करना बहुत जरूरी है। वही विशिष्ट आथिति जय शंकर झा अनु सचिव उत्तर प्रदेश ने कहा कि जिस तरह हम हवन में आहुति डालते हैं पौधारोपण करना भी उसी के समान है। पर्यावरण को सुरक्षित रखा हम सबकी जिम्मेदारी है, इसलिए हम सभी को पौधारोपण करना चाहिए।इस मौके पर संस्था की अध्यक्ष नेहा नीरज खरे ने कहा कि हर व्यक्ति को एक पौधा अपने हर जन्मदिन पर लगाना चाहिए।इससे हमें प्रकृति का आशीर्वाद मिलता है।ओर इनकी पोधो की देखरेख की जानी चाहिए। ताकि वह फल फूलने के बाद वातावरण को शुद्ध कर सके। नंदकिशोर वर्मा जलदूत, तपस्या उपाध्याय ,रेखा झा ,डिंपल सिंह ,रस्तोगी,नीरज साहू दिव्या शुक्ला, प्रगति शुक्ला ,नीरज खरे , आर्याश खरे आदि रहे।

लखनऊ 18 अगस्त 2022(सूचना विभाग)

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। मण्डलायुक्त डा0 रोशन जैकब ने 11 से 17 अगस्त तक आजादी के 75वीं वर्षगाठ के विभिन्न कार्यक्रमों के समापन के दौरान बताया कि कोई भी व्यक्ति, कोई भी घर, समाज आजादी महोत्सव से वंचित न रहे यही शासन की मंशा थी। जनपद लखनऊ के गलियों/मोहल्लों, बाजारों, स्कूलों, संस्था, चौराहों, सरकारी भवनों, गैर सरकारी भवनों इत्यादि को भव्यतापूर्ण महोत्सव का हिस्सा बने और इस उत्सव का हिस्सा बने साथ ही साथ हमारे शिक्षक संस्थानों ने, रेजीडेन्ट वेलफेयर एसोशिएशन, व्यापार मण्डल आदि ने बढ़चढ़ कर भाग लिया जिसके लिये जनता को धन्यावाद दिया। मण्डलायुक्त ने बताया कि 75वें स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये जनपद प्रशासन का अच्छा समन्वय रहा। जिला प्रसाशन, लखनऊ विकास प्राधिकरण, नगर निगम आदि ने योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न-प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करके जनता को जोड़ा। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, लखनऊ विकास प्राधिकरण(उपाध्यक्ष) ऊर्जावान, परिश्रमी अधिकारी हैं और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक टीम भावना के साथ कार्य किया। सारी व्यवस्थाओं की रखवाली करते हुए सर्तकर्ता पुलिस के द्वारा रखी गई। उन्होंने पुलिस कमीशन्र की पूरी टीम, जिला प्रशासन के अधिकारियों/ कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दिया। मण्डलायुक्त ने अधिकारियों से अपील कि हम सभी लोग इसी टीम भावना/समर्पण के साथ अपने लखनऊ की जनता के लिए आगे भी कार्य करते रहे। संविधान के अनुसार सामाजिक समता में विश्वास करे और सामाजिक न्याय के लिये प्रतिबद्ध रहें। हमारे सामने खड़े जरूरतमंद व्यक्तियों के लिये हमसे सम्भव हर प्रयास करें। अपने कर्तव्य और दूसरे के अधिकार के प्रति सजक रहे और सर्वपरी अपने देश की एकता/भाईचारा बनाये रखने के लिए हर सम्भव प्रयास करें।

जिलाधिकारी ने बाढ़ राहत शिविर का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज।जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने गुरूवार को एनी बेसेंट गर्ल्स इंटर कालेज, छोटा बघाड़ा बाढ़ राहत शिविर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर रह रहे लोगो से खाने, पीने के पानी, साफ-सफाई, बिजली, पंखे आदि की जानकारी ली तथा सम्बंधित राहत शिविर के प्रभारी अधिकारी को निर्देशित किया कि बाढ़ से प्रभावित लोगो के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित रहे। उन्होंने वहां पर रह रहे लोगो से बात भी की। मेडिकल टीम, बच्चों के दूध, बिस्कुट तथा ससमय नाश्ता एवं खाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। ड्यूटी में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी भी यहीं खाना खायेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि बाहर से पानी आने की वजह से पानी काफी तेजी के साथ बढ़ रहा है, जिसके दृष्टिगत 12 राहत शिविरों को क्रियाशील रखा गया है। 03 राहत शिविरों में काफी संख्या में बाढ़ से प्रभावित परिवार आ चुके है। राहत चैकियों पर पुलिस पेट्रोलिंग, नाव की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थायें करा दी गयी है। प्रत्येक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में राहत शिविर बनाये गये है, जहां पर जरूरत पड़ने पर बाढ़ से प्रभावित लोगो को वहां पर शिफ्ट कर दिया जायेगा। उन्होंने जल स्तर की स्थिति के मद्देनजर सभी राहत शिविरों को क्रियाशील करने के निर्देश दिए है तथा नाव से लाउड स्पीकर के माध्यम से सभी लोगो को पहले से ही तैयार करके राहत शिविरों में लाने का निर्देश भी दिया है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में सभी उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को भी एलर्ट स्थिति में रहते हुए बाढ़ की स्थिति की लगातार मानीटरिंग करते रहने के लिए कहा तथा जो लोग बाढ़ से प्रभावित होने वाले है, उन्हें पहले से ही राहत शिविरों में व्यवस्थित कर दे तथा पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में चारा की भी व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये। इस अवसर पर एडीएम वित्त/राजस्व श्री जगदम्बा सिंह, उपजिलाधिकारी सदर युवराज सिंह सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रयागराज में हुआ हुनर का आगाज

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज।आज़ादी के अमृत मोहत्सव के उपलक्ष में अखिल भारतीय संस्था सुरसरिता के द्वारा आगाज़ - एक पहल सपनों की ओर ओपन माइक प्रयाग संगीत समिति में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में उतर प्रदेश के 120 प्रतिभागियों ने गायन, नृत्य कविता में बढ़ चढ़ कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पे महारानी चाय के संस्थापक प्रमोद कुमार बंसल जी तथा प्रधानाचार्य पारुल बलदेव सोलमन भी प्रस्तुत रहे। प्रयाग संगीत समिति के सचिव श्री अरूण कुमार जी विशिष्ठ स्थिति के तौर पर शामिल रहे कार्यक्रम का संचालन पावरफुल वूमेन अवार्ड की विनर और प्रेरक वक्ता अनुभूति दीक्षित जी द्वारा किया गया सुरसरिता की सचिव श्रै उमा दिक्षित ने धन्यवाद भाषण दिया।

स्कूलों में लगातार हो रही चोरी शिक्षक संघ ने दिया ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)

बारा, प्रयागराज। क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में लगातार हो चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। शिक्षक संघ जसरा ने उपजिलाधिकारी बारा व क्षेत्राधिकारी बारा को ज्ञापन देकर तत्काल कार्यवाई की मांग की है। ज्ञात हो कि विकास खण्ड जसरा में बेसिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित परिषदीय विद्यालयों में विगत तीन माह में दर्जनों चोरी की घटनायें घटित हुई हैं। जिनमे स्कूलों में रखे सिलेंडर, बर्तन, चूल्हा, साउंड, खेल के समान खादयान्न आदि चोरी हो गए। सम्बंधित थानों में सूचना भी दर्ज कराई गई लेकिन खुलासा एक का भी नही हो पाया। क्षेत्र के सरसेंडी, अतरसुइया, कांटी, सेमरी, भडिलवा आदि विद्यालयों में चोरियां हो गई। संघ के अध्यक्ष डॉ एस पी सिंह ने कहा कि एसडीएम महोदय ने त्वरित कार्यवाई का आश्वासन दिया है। इस मौके पर सरोज सिंह , सुमन्त भार्गव, वसीम अहमद, सुमन भटोनिया, सुजीत कुमार, महेंद्र कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे। संवाददाता राकेश मिश्रा आधुनिक समाचार बारा।

हमें बस राष्ट्रभक्तों की कहानी याद आती है

(आधुनिक समाचार सेवा)

जौनपुर।विकलांग एवं पुनर्वास केंद्र लाइन बाजार जौनपुर में साहित्य वाचस्पति डॉ0श्रीपाल सिंह 'क्षेम' की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि पर एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने ओजस्वी गीतों एवं प्रेम के गीतों व हास्य व्यंग्य की रचनाओं से लोगों को भावविभोर किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व पुलिस उपाधीक्षक ओम प्रकाश दुबे ने डॉ0श्रीपाल सिंह क्षेम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक महान कवि एवं साहित्यकार बताया। उन्होंने कहा की कविता मनुष्य के के जीवन में बहुत ही उपयोगी होती है।उन्होंने अंग्रेजी के कवि वड्सवर्थ की पोएट्री की परिभाषा से कविता के महत्व को चित्रित किया।कार्यक्रम के संयोजक एवं संस्था के प्रधानाचार्य एवं संचालक डॉ0प्रेम प्रकाश दुबे ने कवियों का स्वागत करते हुए डॉ0क्षेम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर वृहद प्रकाश डाला।उन्होंने वीर रस के सुप्रसिद्ध कवि डॉ0 रणजीत सिंह प्रतापगढ़ को न केवल सम्मानित किया बल्कि उनके काव्य पाठ के दौरान भी उन्हें माल्यार्पण एवं पुनःशाल्यार्पण करके उनका सम्मान किया।डॉ0रणजीत सिंह ने 'मेरी कविता के नायक'नामक कविता शीर्षक से काव्य पाठ करके श्रोताओं को रोमांचित किया।उन्होंने इन पंक्तियों से काव्य पाठ की शुरुआत की- न राजा याद आता है।न रानी याद आती है।हमें बस राष्ट्रभक्तों की कहानी याद आती है,गये है छोड़ जो पग चिह्न अपने कर्म का जग में,हमें उन वीर पुरखों की निशानी याद आती है।।कार्यक्रम के संयोजक प्रसिद्ध व्यंग्यकार बेहोश जौनपुरी ने अपने हास्य व्यंग्य की कविताओं से जहाँ समाज एवं देश की कुरीतियों पर प्रहार किया वहीं अपने मधुर गीत से मानवता का संदेश दिया।प्रतापगढ़ के गीतकार अजय सोनी ने माँ पर मर्मस्पर्शी गीत पढ़ कर श्रोताओं के हृदय का स्पर्श किया तो संचालन कर रहे सभाजीत द्विवेदी प्रखर के व्यंग्य एवं गीत को भी लोगों ने बड़े ही मनोयोग से सुना। डॉ0क्षेम के सुपुत्र शशांक सिंह के सुमधुर गीतों का लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकृष्ण तिवारी ने किया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में वशिष्ठ नारायण सिंह ने प्रेम पर अपने विचार बहुत ही दार्शनिक अंदाज में प्रस्तुत करते हुए इसकी महत्ता और उपादेयता पर प्रकाश डाला।

सफलताः शंकरगढ़ पुलिस द्वारा चोरी के माल सहित दो षातिर चोर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। एसएसपी शैलेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर एसपी आईपीएस यमुनापार सौरभ दक्षित के मार्गदर्शन में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शंकरगढ़ थाना प्रभारी मनोज कूमार सिंह को मिली बड़ी कामयाबी जन्माष्टमी के दिन नारीबारी निवासी विधान शुक्ला के सूने घर को निशाना बना कर चोरी करने वाले गिराह के दो शातिर चोर ऋषि वर्मा पुत्र छोटेलाल वर्मा निवासी चाकघाट रीवा मध्य प्रदेश दूसरा वैभव केसरवानी पुत्र तीरथ प्रसाद केसरवानी निवासी मोदीनगर थाना शंकरगढ़ को मुखबिर के द्वारा दी गई सूचना पर एमपी बार्डर से सटे भारत नगर पेट्रोल पंप के पास से घेराबंदी करके गिरफ्तार किए चोर गिरोह के दोनों शातिर अपराधियों के पास से चोरी की एक माटरसाइकिल और घर में चोरी किए गए सोने का एक हार दे कंगन दो पायल कुछ कैश बरामद किया बताते चलें कि जन्माष्टमी के नारीबारी निवासी विधान शुक्ला का परिवार कहीं कार्यक्रम में गया था देर रात शातिर अपराधियों ने सूने घर फायदा उठाते हुए घर के अंदर प्रवेश किए और घर के अलमारी में रखे महलाओं के सारे गहने चोरी करके फरार हो गए सुबह पीड़िता शंकरगढ़ थने पहुंचकर थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह को पूरी जानकारी दी और बताया कि जन्माष्टमी के दिन देर रात हमारे घर मे अज्ञात चोरो ने घर में रचों महिलाओं के सारे जेवरात चोरी कर ले गए मामले को संज्ञान में लेतं हुए थाना प्रभारी ने अज्ञात चोरो के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करे धटना का खुलासा करने के लिए कई टीमम लगांए खुद मॉनिटरिंग के दौरान कुछ सुराग शंकरगढ़ पुलिस को मिली उसी के आधार पर पुलिस ने मध्य प्रदेश चाकघाट थाना क्षेत्र निवासी गिरोह के मेन शातिर चोर ऋषि वर्मा को भारत नगर पेट्रोल पंप के पास से अरेस्ट किया पुछताछ में शातिर चोर ने अपने दूसरे साथी वैभव केसरवानी का नाम बताया उसे भी गिरफ्तार किया गया मामले का खुलासा करते हुए शंकरगढ़ के फायर ब्राड थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह बताया कि गिरफ्तार एक शातिर अपराधी मध्य प्रदेश रीवा जिले के चाकघाट क्षेत्र का निवासी है इनका अपराध से पुराना नाता है इसके विरूद्ध रीवास के चाकघाट थाने में कई संगीन धाराओ में गंभीर मुकदमा पंजीकृत है दूसरा अपराधी शंकरगढ़ का ही निवासी है इन दानों के पास में घर में चोरी किए गए सोने के जेवरात व कैश बरामद कर लिए है कार्रवाई करते हुए दानों को जेल भेजा जा रहा है पूछताछ में गिराह के कई सदस्यों के नाम निकल कर सामने आए है उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है उन्हे भी समय रहते गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पुहुचाएगें कार्रवाई करने में नारी बारी चौकी प्रभारी संतोष कुमार सिंह हेड कास्टेबल गिरीश मिश्रा सिपाही विपिन चौधरी और मनोज कुमार सिंह की अहम भूमिका रही।

थाना शंकरगढ़ जनपद प्रयागराज पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से अवैध शराब की 25 अदद शीशी बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। श्रीमान् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज के निदेशन मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे श्रीमान् पुलिस अधीक्षक यमुनापर व श्रीमान् क्षेत्राधिकारी बारा के पर्यवेक्षण मे थानाध्यक्ष शंकरगढ़ मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व मे उ0नि0 दीपक कुमार मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 26.08.2022 को मौर्या ढाबा टक्टई बहद ग्राम टक्टई थना क्षेत्र शंकरगढ़ से घनश्याम मौर्या पुत्र शिव लाल मौर्या निवासी ग्राम मुरका थाना बरगढ जपपद चित्रकूट को गिरफ्तार कर कब्जे से अवैध शराब की 25 शीशी बरामद की गयी उक्त गिरफ्तार बरामदगी के सम्बन्ध मे थाना शंकरगढ मे मु0आ0सं0- 239/2022 धारा 60 आबकारी अधि0 पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की गयी ।
गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- घनश्याम मौर्या पुत्र शिव लाल मौर्या निवासी ग्राम मुरका थाना बरगढ जनपद चित्रकूट **बरामदगी का विवरण-** अवैध श्खराब की 25 अदद शीशी **पंजीकृत अभियोग का विवरण-** मु0अ0सं0 239/2022 धारा 60 आबकारी अधि0 थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज
गिरफ्तार करने वालो पुलिस टीम का विवरण- उ0नि0 दीपक कुमार थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज, का0 इन्दजीत यादव थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज।

थाना करछना जनपद प्रयागराज पुलिस द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार कब्जे से 08 अदद अवैध देशी बम बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। श्रीमान् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज के निदेशन मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे श्रीमान् पुलिस अधीक्षक यमुनापर व श्रीमान् क्षेत्राधिकारी करछना के पर्यवेक्षण मे प्रभारी निरीक्षक करछना विश्रवजीत सिंह के नेतृत्व मे व0उ0नि0 राज कुमार त्रिवेदी मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर आज दनांक 26.08.22 को करेहा मार्ग थना क्षेत्र करछना से गिरफ्तार कर कब्जे से चार-चार (कुल 08) अवैध देशी बम बरामद किये गये उक्त गिरफतारी बरामदगी के सम्बध मे थना करछना मे म0अ0सं0 पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम करर्यवाही की गया। **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-** विवेक सिंह पुत्र लाल हरि दर्शन सिंह नि0- ग्राम करछना थाना करछना जनपद प्रयागराज, उम्र 19 वर्ष मनोज सिंह पुत्र स्व0 इन्द्रभान सिंह नि0-ग्राम करछना थाना करछना जनपद प्रयागराज, उम्र 32 वर्ष । **बरामदगी का विवरण-** 08 अदद बवैध देशी बम। **पंजीकृत अभियोग का विवरण-** मु0अ0सं0 311/2022 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0, मु0अ0सं0 312/2022 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना करछना जनपद प्रयागराज। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-** व0उ0नि0 राज कुमार त्रिवेदी, पशिक्षु उ0नि0 हरि शंकर मिश्रा, प्रशिक्षु उ0नि0 उमाकान्त यादव, का0 धीरज कुमार थाना करछना जनपद प्रयागराज।

पूर्वोत्तर रेलवे के यांत्रिक कारखाना मे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई स्वाधीनता दिवसः सेवानिवृत्त स्टाफ हुए सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर। स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर पूर्वोत्तर रेलवे के यांत्रिक कारखाना गोरखपुर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि व मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना श्री योगेश मोहन सम्मानित किया। समारोह के उपरान्त मुख्य कारखाना प्रबन्धक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कारखाना प्रांगण में पौधारोपण किया गया।कार्यक्रम का समापन एवं धन्यवाद ज्ञापन कारखाना कार्मिक अधिकारी श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता द्वारा किया थे। पंकज कुमार सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार मुख्य कारखाना प्रबन्धक एम0पी 0 सिंह ने देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर उपस्थित रेल कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए सिगनल कारखाना,गोरखपुर की उपलब्धियों

ने ध्वजारोहरण किया।इस अवसर पर उन्होंने रेलवे सुरक्षा बल सलामी गारद का निरीक्षण किया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली। समारोह में यांत्रिक कारखाना कला समीति के कलाकारों द्वारा देश प्रेम पर आधारित राष्ट्रगान देश भक्ति गान तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर योगेश मोहन ने यांत्रिक कारखाना गोरखपुर की उपलब्धियों एवं कारखाना कर्मचारियों को दी जा रही सुविधाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर यांत्रिक कारखाना गोरखपुर से सेवा निवृत्त हुए 90 वर्ष के 05 भूतपूर्व रेल कर्मियों को गया। इस अवसर पर यांत्रिक कारखाना एवं भंडार डिपो के अधिकारी कर्मचारी तथा यूनियन के पदाधिकारी एवं अन्य रेल कर्मी उपस्थित थे। स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 15 अगस्त 2022 को सिगनल कारखाना गोरखपुर छावनी में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्यकारखाना प्रबन्धक एम0पी0 सिंह ने ध्वजारोहरण किया।इस अवसर पर उन्होंने रेलवे सुरक्षा बल सलामी गारद का निरीक्षण किया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली।समारोह में सिगनल कारखाना के वरिष्ठ अधिकारी रेलवे सुरक्षा बल जवान तथा अन्य कारखाना कर्मी उपस्थित पर प्रकाश डाला।उन्होंने सिगनल कारखाना द्वारा उत्पादित किये जाने वाले मुख्य उत्पादों जैसे-इलेक्ट्रिक प्वाइंट मशीन, क्लैम्प प्वाइंट लॉक और आधुनिक इलेक्ट्रिक लिफ्टिंग बैरियर के संबंध में बताते हुए कहा कि अब हम वार्षिक 4000 इलेक्ट्रिक प्वाइंट मशीनों के उत्पादन के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे है। श्री सिंह ने कहा कि विभिन्न प्रकार के रिले के उत्पादन में बढ़ोत्तरी कर 40000 रिले बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे कि भारतीय रेल पर अन्य क्षेत्रीय रेलों की मांगों को सिगनल कारखाना द्वारा पूरा किया जा सके।

थाना सिविल लाइन्स जनपद प्रयागराज पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 02 अदद अवैध देशी बम बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज के निदेशन मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे श्रीमान् पुलिस अधीक्षक नगर व श्रीमान् क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के पर्यवेक्षण मे प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन्स बीरकेद यादव के नेतृत्व मे उ0नि0 राकेश चन्द्र शर्मा मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 26.08.2022 को अभियुक्त शनि साहू पुत्र शिवनाथ साहू नि0 991 मालवीय नगर थाना मुडीगंज प्रयागराज को रोडवेज वाली मस्जिद के सामने लायल रेाड थाना क्षेत्र सिविल लाइन्स से गिरफ्तार कर कब्जे से 02 अदद अवैध देशी बम बरामद किये गये । उक्त गिरफ्तार/बरामदगी के सम्बन्ध मे थाना सिविल लाइन्स मे मु0अ0सं0-474/2022 धरा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 पंजिकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गया। गिरफ्तार **अभियुक्त का विवरण-** शनि साहू पुत्र शिवनाथ नि0 991 मालवीय नगर थाना मुडीगंज प्रयागराज, उम्र 32 वर्ष **बरामदगी विवरण-** 02 अदद अवैध देशी बम **पंजीकृत अभियोग-** मु0अ0सं0- 474/2022 धारा-4/5 विस्फोटक पदाथ अधि0 थाना सिविल लाइन्स जनपद प्रयागराज
आपराधिक इतिहास- मु0अ0सं0 120/2016 धारा 379/411 भादवि थाना कोतवाली जनपद प्रयागराज, मु0अ0सं0 418/2018 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना कोतवाली जनपद प्रयागराज गिर. फ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण- उ0नि0 राकेश चन्द शर्मा, का0 सन्दीप यादव थाना सिविल लाइन्स जनपद प्रयागारज।

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धुओं की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें उनसे सम्बंधित प्रकरणों का निस्तारण शीर्ष प्राथमिकता पर करने के निर्देश दिए गए।बैठक में मूंज उत्पादन को और बढ़ावा देने तथा श्रमिकों के रजिस्ट्रेशन हेतु औद्योगिक क्षेत्रों में

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज।आर0एस0ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा 'सेंट जोसेफ स्कूल नैनी प्रयागराज' में साइबर जागरुकता एवं महिलाओं की सुरक्षा' के कार्यक्रम में राकेश आई0पी0एस0 द्वारा साइबर/मिशन शक्ति में अच्छा कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफ्रिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः **15 सितंबर 2022**
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 7518828710, , 9415608710, 6386474074, 9415608790

सम्पादकीय

सदाशयता के पक्षधर थे राजीव जी, भारत के नवनिर्माण का था उनका सपना

राजीव गांधी ऐसे जननेता थे, जिन्होंने हमेशा नए विचारों एवं रचनात्मक आलोचनाओं का स्वागत किया। सांसद, प्रधानमंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने जिस गुरु-गंभीरता के साथ अपेक्षित भूमिका का निर्वहन किया, वह अद्वितीय थी। राजीव गांधी को उनके जन्मदिवस (20 अगस्त) को हम इस उम्मीद के साथ याद करते हैं कि उनके कार्य और विचार हमारा पथ प्रशस्त करेंगे। राजीव जी ने इक्कीसवीं सदी की उनन्त अपेक्षाओं के अनुरूप भारत को गढ़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। राजीव जी का भारत को आधुनिक, खुशहाल और सशक्त राष्ट्र बनाने में विशेष योगदान रहा। भारत रतन राजीव गांधी ऐसी विभूतियों में से एक हैं जिनका स्मरण हमें सदैव आलोकित करता रहेगा। राजीव गांधी ने टकराव की जगह आम सहमति एवं वैमनस्य के बजाय सदाशयता का मार्ग चुना। राष्ट्रहित उनके चिन्तन का प्रमुख बिन्दु था। सर्व धर्म समभाव की भावना उनके मन, वचन कर्म में रची बसी थी। राजीव जी के व्यक्तित्व में परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत समन्वय था। राजीव गांधी ऐसे जननेता थे, जिन्होंने हमेशा नए विचारों एवं रचनात्मक आलोचनाओं का स्वागत किया। सांसद, प्रधानमंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने जिस गुरु-गंभीरता के साथ अपेक्षित भूमिका का निर्वहन किया, वह अद्वितीय थी। राजीव गांधी राजनीति में सतत संवाद के पक्षधर थे। वे मानते थे कि बिना संवाद के विश्वास पैदा नहीं हो सकता और बिना विश्वास के राजनीति नहीं चल सकती। राजीव गांधी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उन्हें सिर्फ राजनीतिक व्यक्ति के रूप में आंकना न्यायोचित नहीं होगा। वस्तुतः वे चिंतक थे, विचारक थे और सच्चे लोकतंत्रवादी थे। राजीव जी ने पंजाब, असम और मिजोरम समझौते किए, जिससे इन प्रदेशों में वर्षों से चल रही उथल-पुथल, अशांति एवं हिंसक गतिविधियों पर विराम लगा और हजारों अलगाववादी- उग्रवादी भी समाज की मुख्य धारा से जुड़े।राष्ट्रहित में संकल्प लेना एवं उन्हें तत्परता से कार्यान्वित करना उनकी कार्यशैली का प्रमुख हिस्सा था। लक्ष्य प्राप्ति में आतुरता तथा व्यवहार में शालीनता उनका प्रमुख गुण था, जिसने उनकी पहचान दूसरों से अलग बनाई। राजीव जी देश की आंतरिक समस्याओं के समाधान के लिए जितने आतुर थे, उतना ही पड़ोसी देशों से बेहतर तालमेल बनाने के इच्छुक भी थे। उन्होंने चीन, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका से संबंध मधुर करने का सार्थक प्रयास किए। राजीव जी का मानना था कि किसान हमारे देश की रीढ़ हैं। खेती-किसानी की तरक्की के बिना देश की तरक्की संभव नहीं है। राजीव जी ने अपने प्रधानमंत्री काल में कृषि में ज्यादा पूंजीनिवेश का प्रावधान किया। कृषि में उत्पादकता बढ़ाने के लिए जल संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल पर जोर दिया। राजीव जी ने हरितक्रांति की समीक्षा की और यह पाया कि हरितक्रांति से गेहूं का उत्पादन तो काफी बढ़ा है, परंतु तिलहन और दलहन के क्षेत्र में अधिक सुधार की जरूरत है। उन्होंने तिलहन का उत्पादन बढ़ाने के लिए तिलहन टेकनेलॉजी मिशन बनाया। दलहन के लिए राष्ट्रीय परियोजना शुरू की।राजीव जी के मन में गरीबों के प्रति सच्ची हमदर्दी थी। वे एक ऐसे समाज की स्थापना के लिए आतुर थे जिसमें सब बराबरी के साथ अपनी जिन्दगी जिएं और स्वाभिमान के साथ अपना गुजर-बसर कर सकें। सबकी सुनना और सबको साथ लेकर चलना राजीव जी के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता थी। वे आमजन की समस्याओं को बड़े ध्यान से देखते थे और फिर सही दिशा-निर्देश देकर उसको सुलझाने का काम करते थे, यही उनकी कार्यशैली थी। सांप्रदायिकता के खिलाफ राजीवजी की दृष्टि और दिशा दोनों बहुत स्पष्ट थी। राजीव जी ने लगातार फिरका-परस्त ताकतों, घृणा, आतंकवाद, अशिक्षा एवं गरीबी के खिलाफ संघर्ष किया। धर्म निरपेक्षता के पक्षधर राजीव गांधी अहिंसा, सौहार्द और शांति के अग्रदूत थे। राजीव गांधी कौमी एकता और सद्भाव को देश की सांस्कृतिक अस्मिता और गौरवशाली विरासत की धुरी मानते थे। वे जाति, धर्म और सम्प्रदाय के संकीर्ण दायरे से देश को उबारना चाहते थे। राजीव जी ने कभी भी बदले या द्वेष की भावना की राजनीति नहीं की। द्वेष शब्द तो उनकी डिक्शनरी में था ही नहीं। पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रयास राजीव गांधी पर्यावरण, प्रदूषण तथा मानव सभ्यता पर इसके घातक प्रभाव की समस्या से चिंतित थे। उन्होंने वन एवं पर्यावरण के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए। राजीव जी का मानना था कि पर्यावरण संरक्षण और विकास की अवधारणा में संतुलन आवश्यक रूप से होना चाहिए। उन्होंने केन्द्रीय गंगा विकास प्राधिकरण की स्थापना कर गंगा नदी की सफाई का अभियान शुरू किया। राजीवजी ने दल-बदल कानून लाकर राजनीति में फैली ङ्कआया राम, गया रामङ्क की विकृति पर अंकुश लगाने की पहल की, एवं राजनीति में शुचिता को विशेष महत्व दिया। राजीव गांधी ने समय की चुनौतियों को समझने एवं उसके मुताबिक देश को आगे ले जाने का साहसिक प्रयास किया। राजीव जी को नौजवानों की क्षमता और विवेक पर पूरा भरोसा था। उन्होंने नौजवानों को 18 वर्ष की उम्र में मताधिकार दिलाकर उनकी लोकतंत्र में भागीदारी सुनिश्चित की। राजीव गांधी जी की स्मृति को संजोए रखना, उनके उस सपने का सम्मान होगा जो उन्होंने नए भारत के नवनिर्माण के लिए देखा था। राजीव जी का पुण्य स्मरण करते समय हमें उनके भारत संकल्प को याद रखना होगा। उनका प्रेरणादायी आव्हान था- आओ, हम ऐसे भारत का निर्माण करें जिसे अपनी स्वाधीनता पर गर्व हो, जो अपनी स्वतंत्रता की रक्षा करने में पूर्ण सक्षम हो।जो सशक्त, कृषि एवं आधुनिक उद्योगों में आत्मनिर्भर हो, जो जाति, धर्म और क्षेत्र की संकीर्ण भावनाओं से उपर उठकर एकता के सूत्र से अनुप्राणित हो।

कुरुक्षेत्रः भाजपा की राह में नीतीश रोड़ा, तो सुशासन बाबू के रास्ते में ममता व केजरीवाल हैं अड़चन

कुरुक्षेत्रः अभी लोकसभा चुनावों में करीब पौने दो साल का वक्त है और उसके पहले इस साल गुजरात, हिमाचल प्रदेश, फिर अगले साल कर्नाटक, त्रिपुरा, मेघालय, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना विधानसभा के चुनाव हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निगाह सीधे 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की अपनी सीटें बढ़ाने और विपक्ष को ज्यादा से ज्यादा नीचे समेटने पर है राजनीति के कुरुक्षेत्र में हर छोटी-बड़ी घटना का महत्व होता है और उनके नतीजे दूरगामी होते हैं। बिहार में अचानक जो राजनीतिक घटनाक्रम हुआ है उसने इस धारणा को कमजोर कर दिया है कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए विपक्ष की तरफ से कोई चुनौती नहीं है। अचानक विपक्षी दलों में जान आ गई है और राजनीतिक विमर्श में नीतीश कुमार को मोदी के मुकाबले विपक्ष का चेहरा देखा जाने लगा है। इस घटना से अति उत्साहित हो रहे भाजपा विरोधी राजनीतिक विश्लेषकों ने तो नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनने और अगले लोकसभा चुनावों में भाजपा और नरेंद्र मोदी की विदाई के सपने देखने भी शुरू कर दिए हैं। लेकिन इस अति आशावाद के सामने अभी अनेक चुनौतियां हैं और अगर नीतीश कुमार को मोदी को चुनौती देनी है, तो उन्हें उन तमाम उलझनों को सुलझाना होगा, जो अब आने वाले दिनों में उनके सामने आने वाली हैं। उधर जिस तरह पार्थ चटर्जी प्रकरण के बाद ममता बनर्जी भाजपा और मोदी को लेकर नरम हुई हैं, और दिल्ली में शराब नीति को लेकर पड़े सीबीआई छापों के बाद अरविंद केजरीवाल 2024 में नरेंद्र मोदी के मुकाबले खुद को घोषित कर रहे हैं, उससे विपक्षी जमात में भ्रम और बढ़ रहा है। नीतीश कुमार को सबसे पहले 2024 लोकसभा चुनावों तक बिहार में महागठबंधन और उसकी सरकार को न सिर्फ एकजुट बनाए रखना होगा, बल्कि अपने कामकाज से उन तमाम आरोपों और आशंकाओं को भी गलत साबित करना होगा, जो विरोधियों खासकर भाजपा द्वारा लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही उन्हें कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने और उनके बीच अपनी स्वीकार्यता बनाने के लिए दोनों मोर्चों पर काम करना होगा। जहां कांग्रेस अभी राहुल गांधी से आगे सोचने को तैयार नहीं दिखती, वहीं ममता बनर्जी को साधना भी एक बड़ी चुनौती हो सकती है। शरद पवार, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, स्टालिन, चंद्रशेखर राव, और वामदलों के साथ-साथ नवीन पटनायक, जगन मोहन रेड्डी, चंद्रबाबू नायडू और मायावती को क्या नीतीश कुमार किसी बड़े विपक्षी मोर्चे का हिस्सा बना सकेंगे। यह एक बड़ा सवाल है। अगर नीतीश कुमार इन सब चुनौतियों से निपट सकते हैं तो निश्चित रूप से वह 2024 में भाजपा के सामने एक चुनौती पेश कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें अपने सियासी कौशल और उदार मन से काम लेना होगा और केसी त्यागी जैसे अपने किसी पुराने सिपहसालार को दिल्ली में राजनीतिक मेल मिलाप की जिम्मेदारी देनी होगी। नीतीश कुमार इस दिशा में कितना आगे बढ़ेंगे, ये समय बतायेगा लेकिन भाजपा और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के घटनाक्रम को हल्के में न लेते हुए इससे होने वाले संभावित सियासी नुकसान की भरपाई के इंतजाम शुरु कर दिए हैं। साथ ही पार्टी के भीतर भी मोदी-शाह के लिए रंच मात्र भी चुनौती बनने या बनने का सपना देखने वालों के पर भी कतरे जाने लगे हैं। पार्टी की नीति निर्णायक संस्था संसदीय बोर्ड और चुनाव समिति से पूर्व अध्यक्ष नितिन गडकरी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बाहर करना, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस को शामिल करना और उत्तर प्रदेश के

कद्दावर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इन दोनों में जगह न मिलना इसका साफ संकेत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आप सहमत हों या असहमत, उन्हें पसंद करें या नापसंद करें, लेकिन एक बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि वह हमेशा आगे की और दूर की सोचते हैं। जब देश के दूसरे राजनेता और अन्य दलों के शीर्ष नेता वर्तमान में जीते हैं और उसी हिसाब से अपने फैसले लेते हैं तब नरेंद्र मोदी वर्तमान की नींव पर भविष्य की इमारत का नक्शा बना रहे होते हैं। उनके सारे राजनीतिक फैसले 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की अपनी सीटें 350 से पार और एनडीए की सीटें 400 पार के लक्ष्य को लेकर हो रहे हैं। अगले लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी के सिपहसालार गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ये नारा दे सकते हैं अबकी बार चार सौ पार। चाहे राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति की उम्मीदवारी का फैसला हो या राज्यसभा के लिए राष्ट्रपति द्वारा चार सदस्यों का नामांकन, ये सारे निणन्य 2024 के आम चुनावों के मद्देनजर ही लिए गए हैं। जबकि विपक्ष के पास 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर न कोई स्पष्ट नीति है न नेता और न ही रणनीति। जबसे नरेंद्र मोदी केंद्रीय राजनीति में आए भाजपा ने लगातार 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में अपनी शानदार जीत दर्ज की और कई उन राज्यों में भी अपनी सरकारें बनाईं, जहां कभी उसकी पहुंच तक नहीं थी। कई राज्यों में भाजपा ने भले ही सरकार न बनाई हो लेकिन अपनी उपस्थिति भी दर्ज कराई है। पिछले दोनों लोकसभा चुनावों के नतीजों ने उत्तर भारत के लगभग सभी राज्यों और पूर्वोत्तर के राज्यों में भाजपा की जीत का परचम लहराया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, सिक्किम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, गोवा तो 2014 में ही भाजपा के झंडे के नीचे आ गए थे। 2019 में प. बंगाल, उड़ीसा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भी भाजपा ने खासी सेंधमारी करके अपने विरोधी दलों को झटका दिया और अपनी खुद की 303 सीटें जीतकर अपने चुनावी नारे अबकी बार तीन सौ पार को सच कर दिखाया। हालांकि अभी लोकसभा चुनावों में करीब पौने दो साल का वक्त है और उसके पहले इस साल गुजरात, हिमाचल प्रदेश, फिर अगले साल कर्नाटक, त्रिपुरा, मेघालय, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना विधानसभा के चुनाव हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निगाह सीधे 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की अपनी सीटें बढ़ाने और विपक्ष को ज्यादा से ज्यादा नीचे समेटने पर है। इसके लिए उन्होंने बिसात बिछा दी है। प्रधानमंत्री के रणनीतिकार और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में इस पर पूरा मंथन हो चुका है कि अब पार्टी का विस्तार कहां और कैसे करना है। इस गणना के मुताबिक सबसे ज्यादा लोकसभा सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा ने 2019 में कुल 80 में से अकेले 62 सीटें जीती थीं, जबकि 2014 में भाजपा की अपनी सीटें 71 थीं। 2022 के विधानसभा चुनावों में भले ही भाजपा ने 2017 में जीती अपनी 312 सीटों के मुकाबले इस बार 57 सीटें कम जीती हों, लेकिन लगातार दूसरी बार राज्य में सरकार बनाने का 37 साल पुराने रिकार्ड की बराबरी करके पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के हौसले बुलंद हैं। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी से चुन कर आते हैं, इसलिए भाजपा को पूरा भरोसा है कि इस समय राज्य के जो राजनीतिक हालात हैं, उसमें कांग्रेस और बसपा पूरी तरह ध्वस्त हैं और विधानसभा चुनावों में पिछले चुनाव के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन के बावजूद समाजवादी पार्टी का सत्ता से वंचित रह जाना भाजपा के लिए शुभ संकेत है। फिर आजमगढ़ और रामपुर के लोकसभा उपचुनावों में सपा की हार को भी भाजपा अपने लिए एक संकेत मान रही है। इन सब बातों के मद्देनजर भाजपा के रणनीतिकारों की कोशिश है कि 2024 में उत्तर प्रदेश की अस्सी में से कम से कम 75 सीटें भाजपा अपने खाते में कर सकती है। पार्टी का लक्ष्य इस बड़े राज्य में अकेले भाजपा की सीटों में कम से कम दस सीटों का इजाफा करने का है। हिंदी पट्टी के दूसरे बड़े राज्य बिहार में चालीस सीटे हैं। यहां भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनावों में भाजपा, जनता दल(यू) और लोक जनशक्ति पार्टी के गठबंधन ने चालीस में 39 सीटें जीती थीं, जिनमें भाजपा की अकेले 17 सीटें थीं। पिछली बार भाजपा ने जद(यू) को काफी ज्यादा सीटें लड़ने के लिए दी थीं, जबकि इस बार 2020 के विधानसभा चुनावों के नतीजों के हिसाब से भाजपा अपनी ये हिस्सेदारी बढ़ाएगी। वैसे भी रामविलास पासवान के निधन और लोजपा में टूट के बाद अब लोजपा भी सीटों के बंटवारे में भाजपा की दया पर ही निर्भर रहेगी। इसलिए भाजपा की कोशिश बिहार में इस बार अकेले अपनी सीटें 20 से ज्यादा जीतने की होगी। 2019 में भाजपा ने अकेले मध्यप्रदेश की 29 में से 28, राजस्थान की 25 में से 24 (एक सीट भाजपा के सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के बेनीवाल ने जीती है), गुजरात की 26 में 26, छत्तीसगढ़ की 11 में नौ, झारखंड की 14 में 12, उत्तराखंड की सभी पांच, हिमाचल प्रदेश की सभी चार, दिल्ली की सभी सात, हरियाणा की सभी दस और पंजाब की 13 में से दो सीटें जीती थीं। अब भाजपा की कोशिश मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड में अपनी पुरानी कामयाबी बरकरार रखने, छत्तीसगढ़ में सभी 11 सीटें जीतने और पंजाब में अपनी सीटों की संख्या दो से बढ़ाकर कम से कम पांच-छह तक करने की है। हालांकि पंजाब में भाजपा को कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल से भी ज्यादा सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। लेकिन जिस तरह गुरदासपुर के उपचुनाव में निर्दलीय सिमरनजीत सिंह मान के मुकाबले आम आदमी पार्टी चुनाव हार गई, उससे भाजपा की उम्मीदें पंजाब में बढ़ी हैं। पार्टी ने इसके लिए अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे बलराम जाखड़ के बेटे और प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पूर्व सांसद सुनील जाखड़ को भाजपा में शामिल करवाने से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की लोक पंजाब कांग्रेस के भाजपा में विलय के जरिए भाजपा पंजाब में अपने लिए नई संभावनाएं बनाने की पूरी कोशिश कर रही है। अन्य राज्यों में पिछले लोकसभा चुनावों में पूर्वोत्तर में असम में भाजपा ने कुल 14 में से नौ, अरुणाचल में दो, मेघालय मे दो, नगालैंड में एक, त्रिपुरा में दो, मिजोरम में एक सिक्किम में दो सीटों में एक सीट जीती है। पूर्वोत्तर में भाजपा की कोशिश असम में भी अपनी सीटें बढ़ाने की होगी। जबकि प. बंगाल में भाजपा ने आशातीत सफलता पाते हुए राज्य की 42 सीटों में से 18 सीटों पर जीत पाई और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को 23 सीटों पर समेट दिया। लेकिन 2021 के विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद इस पूर्वी राज्य में भाजपा की चुनौती सबसे कठिन है और यह अकेला राज्य है जहां भाजपा की सीटें कम हो सकती हैं। एक अन्य राज्य महाराष्ट्र, जहां लोकसभा की 48 सीटें हैं, वहां पिछली बार शिवसेना के साथ गठबंधन करके भाजपा ने अकेले 23 सीटें जीती थीं। लेकिन विधानसभा चुनावों के बाद शिवसेना के कांग्रेस और एनसीपी के साथ चले जाने से भाजपा के लिए इस बड़े राज्य में महाविकास अघाड़ी की कठिन चुनौती खड़ी हो गई थी। परंतु हाल ही में जिस तरह शिवसेना में बगावत के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में भाजपा ने शिवसेना के शिंदे गुट के साथ गठबंधन सरकार बनाई है उससे अघाड़ी का किला छिन्न-भिन्न हो गया है और भाजपा के लिए 2024 पिछली बार की ही तरह आसान हो गया है। भाजपा की कोशिश यहां भी कम से कम 25 से तीस सीटें जीतने की होगी। इनके अलावा अन्य छोटे राज्यों में चंडीगढ़ की एक,दमन और दीव की एक, अंडमान निकोबार की एक, दादर नगर हवेली की एक, लक्षद्वीप की एक, पुद्दुचेरी की एक गोवा में एक सीट, जम्मू-कश्मीर में तीन सीटें पिछली बार भाजपा ने जीती थीं। उसकी कोशिश इन्हें बरकरार रखने की है। उड़ीसा में पिछले चुनाव में भाजपा ने कुल 21 में से आठ सीटें जीती थीं, जबकि सत्ताधारी बीजू जनता दल की सीटें 17 से घटकर 13 रह गईं। भाजपा की कोशिश इस बार उड़ीसा में कम से कम 15 से 16 सीटें जीतने की है। दक्षिण भारत में कर्नाटक अकेला राज्य है जहां भाजपा सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें जीत रही है। 2019 में यहां की 28 लोकसभा सीटों में से भाजपा ने अकेले 25 सीटें जीती थीं और भाजपा समर्थित निर्दलीय को एक सीट पर जीत मिली थी। भाजपा की वहां सरकार है और पार्टी अपनी इस संख्या को हर हाल में बनाए रखने की जी तोड़ कोशिश करेगी। लेकिन तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भाजपा अभी अपना परचम नहीं लहरा पाई है। पिछली बार तेलंगाना की 14 सीटों में भाजपा ने सिर्फ चार सीटें जीतीं। जबकि केरल आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में वह एक भी सीट जीत नहीं सकी। इसलिए भाजपा का पूरा ध्यान दक्षिण भारत के इन चारों राज्यों पर है, जहां की करीब 97 सीटों पर गैर भाजपा क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व है। पार्टी यहां अकेले कम से कम 25 सीटें जीत कर अपनी कुल सीटों में इजाफा करना चाहती है अपने इस लक्ष्य को पाने के लिए भाजपा हर तरह की तैयारी में जुट गई है। बिहार में नीतीश कुमार के अलग हो जाने के बाद एक तरफ तो पार्टी पूरी तरह से महागठबंधन की सरकार पर हमलावर है और उसे अस्थिर करने की हर कोशिश करेगी। वहीं दूसरी तरफ भाजपा बिहार में गैर-यादव पिछड़ों और दलितों को अपने साथ बनाए रखने के लिए कुछ नए लोगों को भी अपने साथ जोड़ सकती है। जद(यू) से बाहर हुए आरसीपी सिंह और अजय आलोक जैसे नेताओं की अगली मंजिल भाजपा ही है। माना ये भी जा रहा है कि देर-सबेर चिराग पासवान को भी भाजपा अपने साथ ले सकती है। इसके लिए अगर जरूरी हुआ तो पार्टी पासवान परिवार में सुलह भी करा सकती है। साथ ही अपने दोनों पूर्व उपमुख्यमंत्रियों को आगे करके और महागठबंधन में दरार डलवा कर अति पिछड़ों और दलितों में सेंध लगाने का प्रयास करेगी। इसी तरह उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष ध्यान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दबदबे को नियंत्रित रखने के लिए दोनों उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक की हौसला अफजाई लगातार की जा रही है। इन दोनों के जल्दी-जल्दी दिल्ली के चक्कर इसका स्पष्ट संकेत हैं। योगी के निकट माने-जाने वाले स्वतंत्र देव सिंह से विधान परिषद में सदन के नेता पद से इस्तीफा दिलाकर केशव प्रसाद मौर्य को यह जिम्मेदारी देने से भी यही संकेत हैं। माना जा रहा है कि मौर्य को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी फिर दी जा सकती है या फिर किसी दलित को कमान देकर बसपा के वोटों में सेंधमारी की कोशिश हो सकती है। इसके साथ ही 2024 के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी का चुनावी एजेंडा भी लगभग तय कर दिया है। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से अपने संबोधन में उन्होंने जिस तरह परिवारवाद और भ्रष्टाचार पर हमला बोला, उससे साफ है कि उनका निशाना कांग्रेस के साथ साथ उन सभी विपक्षी दलों पर है, जिनका नेतृत्व परिवारों के पास है और जिनके नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। हाल ही में दिल्ली में उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया के घर और दफ्तर पर पड़े सीबीआई छापों और आबकारी नीति को लेकर जिस तरह भाजपा हमलावर हुई है, उससे आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के कट्टर ईमानदार वाले ब्रांड को भी खत्म करने की तैयारी माना जा सकता है। प. बंगाल में ममता बनर्जी को काबू करने के लिए तृणमूल नेता पार्थ चटर्जी के घर छापे और उनके करीबियों के घर में बरामद करोड़ों रुपये के बाद चटर्जी और उनकी सहयोगी महिला की गिरफ्तारी ने तृणमूल कांग्रेस को भी बचाव की मुद्रा में ला दिया है। इसके अलावा संघ परिवार के हिंदुत्व का मुद्दा हमेशा की तरह लोकसभा चुनावों में भी भाजपा को अतिरिक्त लाभ देने के लिए उठेगा।

जीवनसारः अहिंसा, संवाद, विनम्रता कमजोरी नहीं शक्ति का सूचक हैं

हमारा विश्वास जिस पद्धति में अधिक होगा हम उसी पद्धति का प्रयोग और अभ्यास सबसे ज्यादा करेंगे। हमें संवाद, विनम्रता, अहिंसा, प्रेम आदि में विश्वास रहा नहीं या कमजोर हो गया तो हम इन्हें

शक्तिहीन समझने लगे हैं। हमने देखा है कि समाज सख्त स्वभाव का होता जा रहा है। विनम्रता की जगह आक्रोश ने ले ली है, संवाद की जगह विवाद ले रहा है। हम किसी भी समस्या को अब सुलझाने की जगह उसे प्रतिष्ठा का प्रशन्‍ बना उलझा देते हैं। इस सबका जो मुझे मूल समझ आता है वो है- हमारा विश्वास। हमारा विश्वास जिस पद्धति में अधिक होगा हम उसी पद्धति का प्रयोग और अभ्यास सबसे ज्यादा करेंगे।हमें संवाद, विनम्रता, अहिंसा, प्रेम आदि में विश्वास रहा नहीं या कमजोर हो गया तो हम इन्हें शक्तिहीन समझने लगे हैं। बाहुबल, धनबल, आक्रोश इन्हें हम शक्ति समझते हैं इसलिए इनका प्रयोग अधिक करते हैं। पांडव शक्तिशाली थे किंतु वो संवाद में विश्वास रखते थे, उन्होंने कई बार प्रयतन्‍ किया, वार्ता करना चाही, लेकिन कौरव इसे उनकी कमजोरी समझते थे जबकि कौरवों को भी विदित था कि अमोघ और गांडीव धारी अर्जुन का प्रताप क्या है किन्तु यहां विश्वास की बात है। श्रीकृष्ण में पांडवों का विश्वास था और श्रीकृष्ण तो प्रेम, त्याग, साहस और कर्म की मूर्ति रहे। कौरवों को असीम बलशाली, शौर्यवान, महावीरों पर भरोसा था जो कि होना भी चाहिए था किन्तु उनका अहंकार ही उनकी नैतिक चूक रही। पांडव विजयी रहे क्योंकि वे युद्ध में भी विनम्र रहे। शक्ति भी उसी का वरण कर विजयश्री देती है जिसे शक्ति का महत्व और मर्म पता हो, जो शक्ति का दुरुपयोग न करे। श्रीकृष्ण ने जिस विनम्रता और संवाद श्रेष्ठता से अर्जुन को रणभूमि में ज्ञान दिया उसे ही तो हम श्रीमद्भगवद्गीता कहते हैं। श्रीकृष्ण के प्रेम की शक्ति का विन्यास समझना हो तो आप भागवत महापुराण का महारास पढ़िए। प्रेम, अहिंसा, संवाद और विनम्रता जीवन की वो इकाइयां हैं जो आपमें शौर्य, शक्ति और न्याय को स्थापित करती हैं। आक्रोश, अहंकार, हिंसा वे कमजोरियां हैं जो आपको हमेशा डरा हुआ महसूस करवाएंगी। मैंने तो बस आपको अपने मन की बात बताई, मुझे याद है जब माउंट एवरेस्ट पर मेरे पास ऑक्सीजन नहीं थी तो इसी संवाद और प्रेम ने मुझे स्व.अंजली कुलकर्णी जी की बची हुई ऑक्सीजन उपलब्ध करवाकर प्राण दान दिया था।

जमनालाल बजाज पुरस्कारः नीलेश देसाई को इस वर्ष सम्मान, जल संरक्षण को लेकर किया अथक प्रयास

नीलेश और उनके मित्रों ने नुक्कड़ नाटक, गीत, पोस्टर, बैनर आदि के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करके इस दिशा में सराहनीय कार्य किया है। मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले में सन 1987 से भील और भिलाला समुदाय के उत्थान के लिए काम कर रहे नीलेश देसाई को इस वर्ष के प्रतिष्ठित जमनालाल बजाजङ्क पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जमनालाल बजाज प्रतिष्ठान के डाक्टर आर.ए माशेलकर और शेखर बजाज ने कहा कि नीलेश को सन 2022 का पुरस्कार देते हुए प्रतिष्ठान गर्व महसूस कर रहा है क्योंकि निलेश ने सृजनात्मक कार्य के श्रेणी में असाधारण काम तीन से ज्यादा दशकों से किया और देश के अति पिछड़े इलाके में एक मॉडल प्रस्तुत किया है। इस पुरस्कार में दस लाख रुपये के साथ प्रतीक चिन्ह और प्रमाणपत्र दिया जाता है। झाबुआ कई लोगों कि कर्मभूमी रही है और आज जो अति पिछड़े आदिवासी नए रंग-रूप और स्वरूप में दिखते हैं उसके लिए कई लोगों का अनथक प्रयास रहा है। आजादी के आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले चन्द्रशेखर आजाद का जन्म भी यहीं हुआ था। मामा बालेश्वर दयाल जैसे समाज कर्मियों से लेकर साधना खोचे, हेर्विग स्ट्रीब्यूल और पदमश्री जनक पलटा की भी यह जिला कर्मभूमी रही है। इंदौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क से एमएसडब्लूयू करने के बाद निलेश देसाई, जो मूलतः गुजरात के रहने वाले है, तिलोनिया (अजमेर) चले गए और वहां पर अरुणा राय की संस्था में समाज विज्ञान का ककहरा सीखा। तीन वर्ष तक सोशल वर्क एंड रिसर्च सेंटर पर अलग-अलग तरह के काम किए और उस दौरान वे कई तरह के समुदाय और संस्थाओं के साथ मिले।जल संरक्षण को लेकर किया काम भारत सरकार ने उस समय 10 जिलों को पानी की गंभीर समस्या को देखते हुए चयनित किया था जहां पर स्वैच्छिक संस्थाओं की मदद से कुछ काम करने का इरादा किया था। सातवें वित्त आयोग के अंतर्गत टेकनेलॉजी मिशन ने यह काम अपने हाथ में लिया था और बंकर रॉय उस समय योजना आयोग में सलाहकार थे। इन 10 जिलों में काम करने का मुख्य उद्देश्य था कि लोगों की जनभागीदारी से पानी की समस्या का स्थाई हल निकाला जाए और पानी के संरक्षण का काम किया जाए। बरसात की एक भी बूंद कहीं पर बह न जाए यह प्रयास किया जाना था। मप्र का झाबुआ उनमें से एक जिला था। 1987 में यह काम आरंभ हुआ और झाबुआ की रैंकिंग सूखे प्रभावित जिलों में थी जहां मुख्यरूप से पहाड़ों और डूंगर वाला इलाका था। कई प्रकार की चुनौतियों के साथ पानी बचाने का काम शुरू हुआ। उस दौरान नीलेश ने देखा कि यहां पर भील-भिलाला समुदायों के साथ काम करने का अलग अंदाज भी है और बहुत बड़ी चुनौतियां भी हैं। पूरे इलाके में शोषण भयंकर है, सरकारी- गैर सरकारी स्तर पर तो है ही, साथ ही छोटे-छोटे गांव और कस्बों में व्यापारियों का एक संगठित नेटवर्क

है जो इनका शोषण करता है। राजस्थान में संस्थाओं के काम करने के लिए बहुत अच्छा माहौल है, परंतु मध्यप्रदेश जैसे पिछड़े इलाके में उस समय भी और अभी भी स्वैच्छिक संस्थाओं के लिए माहौल नहीं था। काम की शुरुआत हुई तो लोगों को जोड़ना बहुत मुश्किल था। लोग अक्सर इन लोगों को देखकर जंगलों में भाग जाते थे और बात करने के लिए तैयार नहीं होते थे। नीलेश और उनके कुछ मित्रों ने देखा कि यहां पर तेजाजी उत्सव बड़े पैमाने पर मनाया जाते हैं और तेजाजी जयंती के दौरान गांव-गांव में मेले लगते हैं। बस उन्होंने इसी आइडिया को पकड़कर अपने काम की शुरुआत की और सभी मेलों में पानी संरक्षण के छोटे-छोटे स्टॉल लगाना शुरू किए। इसका बड़ा फायदा हुआ और लोग जुड़ने लगे, क्योंकि पानी उनके जीवन से भी जुड़ा था। नीलेश और उनके मित्रों ने नुक्कड़ नाटक, गीत, पोस्टर, बैनर आदि बनाए जो पानी के संरक्षण को लेकर थे और इनका प्रदर्शन बड़े स्तर पर हर जगह किया। 1990 के आते-आते यह काम बड़ा प्रचलित हुआ और इसकी वजह से पानी स्थानीय स्तर पर एक बड़ा मुद्दा बना जिसमें समुदाय के लोगों के साथ- साथ प्रशासन भी जुड़ा। 1990 में संपर्क संस्था का सोसायटी एक्ट में पंजीयन हुआ और इस तरह से संस्था का काम विधिवत आरंभ हुआ। 'गांव का पानी गांव में' जैसा नारा लगाकर जो काम शुरू हुआ था उससे खेती, शिक्षा और स्वास्थ्य के नए आयाम भी जुड़े, सीड बैंक की शुरुआत हुई और 1994 में शिक्षा का पहली बार कोई प्रोजेक्ट मिला। इसमें ऐसे बच्चे आकर जुड़े जो अपनी पीढी के पहले बच्चे थे जो सीधे-सीधे शिक्षा से जुड़े थे, अभी भी नुक्कड़ नाटक समुदाय को जोड़ने का सशक्त माध्यम था। संपर्क संस्था का काम फैलने लगा और संपर्क ने रायपुरिया और पेटलावद के बीच में 7 बीघा जमीन खरीदी और यहां पर एक छोटा सा प्रदर्शन क्षेत्र बनाया और अपना ऑफिस शुरू किया। शुरुआत में लोगों को बहुत विरोध का सामना करना पड़ा परंतु धीरे-धीरे लोगों को समझ में आया कि यह उनके लिए ही है और उनके फायदे के लिए ही संस्था काम कर रही है। संपर्क ने गांव में लोगों के ग्राम कोष बनाए जिससे करीब करीब 70,0000 समुदाय के पास अपना था जिससे वे आपस में लेनदेन करते थे और इस तरह से ब्याज बट्टा करने वालों का हस्तक्षेप खत्म हुआ और वे लोग एक तरह से संपर्क से जलन रखने लगे। संपर्क में मुख्य रूप से दो तरह की बातों पर ध्यान दिया गया था, संपर्क ने संगठन बनाया और संघर्ष के साथ-साथ निर्माण का कार्य भी किया, जिससे उसे झाबुआ के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र में भी लोकप्रियता मिली।

संक्षिप्त समाचार

नींद न आने पर 16वीं मंजिल से कूद कर की आत्महत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। क्रॉसिंग रिपब्लिक की पंचशील वेलिंगटन सोसाइटी की 16वी मंजिल से कूदकर 65 वर्षीय रिटायर्ड सीनियर सेक्शन सुपरवाइजर ने आत्महत्या कर ली। वह करीब एक महीने से नींद न आने के चलते परेशान थे। मिली जानकारी के अनुसार नोएडा की क्रॉसिंग रिपब्लिक की पंचशील वेलिंगटन सोसायटी की 16वी मंजिल के फ्लैट में एमटीएनएल से सीनियर सेक्शन सुपरवाइजर के पद से रिटायर्ड 65 वर्षीय विनोद शंकर अपने परिवार के साथ रहते थे। उनके बेटे विक्रांत ने बताया कि करीब एक महीने से पिता को नींद नहीं आ रही थी। वह थोड़े बहुत बीमार भी चल रहे थे। जिसके चलते वह अक्सर रात में फ्लैट से निकलकर बालकनी में घूमते रहते थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना बुधवार की रात करीब 3 बजे की है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और तहकीकात करने के बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उन्होंने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल जांच की जा रही है।

जन्माष्टमी के अवकाश में हुआ बदलाव

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन जितेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार जन्माष्टमी का त्योहार 19 अगस्त 2022 को मनाया जा रहा है। इसी क्रम में जन्माष्टमी का त्योहार 18 अगस्त 2022 दिन गुरुवार के स्थान पर 19 अगस्त 2022 शुक्रवार को मनाया जाने का निर्णय लिया गया है। अतः जन्माष्टमी के त्योहार के लिए 18 अगस्त 2022 के स्थान पर 19 अगस्त 2022 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है।

वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर नोएडा के फोटोजर्नलिस्ट लगाएंगे भव्य फ़ोटो

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। शुक्रवार को वर्ल्ड फोटोकॉपी डे पर नोएडा मीडिया क्लब के तत्वाधान में नोएडा और दिल्ली के तमाम फोटोजर्नलिस्ट नोएडा में एक भव्य फोटो प्रदर्शनी का आयोजन करने जा रहे है। सेक्टर 2 के आईआईपी अकादमी में आयोजित इस प्रदर्शनी का शुभारंभ जिला गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी सुहास एल वाई द्वारा किया जाएगा। आयोजन समिति के पदाधिकारी रिंकू यादव ने बताया कि इस प्रदर्शनी में दिल्ली और नोएडा के कुल 16 फोटोजर्नलिस्ट हिस्सा ले रहे है। विभिनन राष्ट्रीय समाचार पत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे इन प्रति भागियों द्वारा ली गईं दो-दो तस्वीरों को प्रदर्शनी में लगाया जाएगा। ये तीन दिवसीय फ़ोटो प्रदर्शनी 19 से 21 अगस्त 2022 नोएडा सेक्टर 02 स्थित आईआईपी अकेडमी में आयोजित हो रही है। जिसका शुक्रवार दोपहर 12 बजे विधिवत शुभारंभ किया जाएगा।

आयोजन की तैयारियों पर विशिष्ट अवलोकन के दौरान क्लब के अध्यक्ष पंकज पराशर ने कहा कि ये विशेष आयोजन पूरी तरह छायाकारों को समर्पित है। खबरों की कवरेज के दौरान छायाकार बंधुओं को तमाम दिक़्क़तों को झेलते हुए भी अपनी रचनात्मकता को सिद्ध करना होता है। एक बेहतर फ़ोटो ही किसी खबर को सार्थक करता है। यही नहीं कई बार अकेला फ़ोटो ही अपने आप में खबर होता है। ये सिर्फ छायाकारों की मेहनत से ही हो पाता है। आगामी आयोजन में जिस तरह सभी पत्रकार और छायाकार एक दूसरे के साथ सामंजस्य और सहभागिता की मिसाल पेश कर रहे है ,वो प्रसंशनीय है। इस फोटो प्रदर्शनी मे हिस्सा लेने वालों मे मुख्य रूप से सुशील अग्रवाल,ईश्वर चंद,वीरेंद्र सिंह, प्रेम बिष्ट,के आशिफ,राजन राय, सौरभ राय, मनोहर त्यागी, गजेंद्र यादव,सलमान अली, रमेश शर्मा, सुनील घोष,प्रमोद शर्मा,उमेश जोशी, हिमांशु और अभिषेक कुमार आदि रहेंगे।

मैहर के सरकारी डॉक्टर जिला स्वस्थ अधिकारी डा. अशोक अवधिया के आशीर्वाद से नियम कायदों को दरकिनार कर निजी अस्पतालों में सेवा दे रहे हैं :अभिषेक पाण्डेय

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैहर। समस्या समाधान समिति अध्यक्ष अभिषेक पाण्डेय का कहना है की राज्य सरकार का नियम है कि कोई भी डाक्टर एक संस्थान में ही अपनी सेवा देगा। निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टर की बात तो दूर मैहर अस्पताल के प्रभारी तक इस नियम को ताक पर धरे बैठे हैं। मैहर अस्पताल के डॉक्टर पहले तो चोरी-छिपे मरीजों को निजी अस्पतालों में देखते थे, लेकिन अब वह खुलेआम निजी अस्पताल का प्रचार प्रसार करते हुए कई अस्पतालों में सेवा दे रहे हैं। मैहर के ज्यादातर निजी अस्पताल सरकारी डॉक्टर के भरोसे संचालित हो रहे हैं। मैहर मै निजी अस्पताल तो सरकारी डाक्टरों के ही हैं लेकिन सरकारी सेवा में होने के कारण उन्होंने किसी और के नाम पर रजिस्ट्रेशन करा रखा है। सरकार भले ही सरकारी डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक लगाने को लेकर सख्त है। लेकिन यहां सब कुछ स्वास्थ्य विभाग की रजामंदी से चल रहा है। मैहर मै ही सीएमएचओ घर होते हुये सब कुछ देखकर जानते हुए भी आँखों मै नोटों की पट्टी बांध रखी हैं। मरीजों को इलाज के नाम पर लूटा जा रहा है और स्वास्थ्य महकमे के साथ जिला प्रशासन भी चुप्पी साधे बैठा है। सरकारी अस्पताल में जो डॉक्टर काम कर रहे हैं वह सिर्फ मरीज के संपर्क में आने के लिए और अपना संपर्क इतना बढ़ जाए

कि निजी अस्पताल उनका बहुत तेजी से चले और गरीब की जेब खाली हो!इसलिए सरकारी अस्पताल में सेवा दे रहे हैंयह भी जानें: मैहर अस्पताल की ओपीडी में सुबह 10 बजे के बाद पहुंचते हैं चिकित्सक। दोपहर 12 बजे अस्पताल से निजी क्लीनिक या नर्सिंग होम में चले जाते हैं। इधर, अस्पताल में दिनभर परेशान होते हैं उपचार के लिए आए मरीज। मरीजों की परेशानी को समझने की जरूरत नहीं समझते स्वास्थ्य अधिकारी। प्राइवेट क्लीनिक या फिर नर्सिंग होम में जाने मजबूर हो रहे हैं गरीब मरीज। ऐसे समझें कमाई का गणित जानकारी के अनुसार शासकीय अस्पताल में कार्यरत डॉक्टरों को नियुक्ति दिनांक से ही अच्छा वेतन शासन की ओर से दिया जाता है। इसमें एमडी को 70 से 80 हजार तो एमबीबीएस और अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों को 50 से 60 हजार रुपए वेतन दिया जाता है। ये डॉक्टर जब निजी अस्पताल या क्लीनिक पर अपनी सेवाएं देते हैं तो यहां उन्हें एक दिन में एक मरीज को देखने के 200 या 300 रुपए मिलते हैं। यदि 1 दिन 100 या उससे अधिक मरीज भी देखते हैं तो 30000 रुपए प्रतिदिन का हो जाता है। और लगभग सभी डॉक्टर अपनी मेडिकल भी खोलकर रखे है यदि दूसरे के मेडिकल भी भेजते है तो 30 से 40ज्ञ् कमीशन मिल जाता है यदि हिसाब लगाया जाये तो 10 लाख रूपये महीना कमाता है अब आप समझ ही सकते सरकार 1 लाख देती और निजी अस्पताल मै गरीबो को लूटकर 10 लाख कमा लेते है इसी कारण से सरकारी डॉक्टरो का मन सरकारी अस्पताल मै नहीं लगता ।

इलाइट चौकी पुलिस ने खोज निकाले 6 मोबाइल नगदी एवं अन्य सामान

(आधुनिक समाचार सेवा)
झाँसी। सेना और पुलिस की तैयारी कर रहे कई छात्र नवाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत रेल्वे इंस्टिट्यूट फिजिकल ट्रेनिंग करने आते हैं जिनमें से 6 छात्रों सचिन झाँ, प्रदीप अहिरवार, अंश और झाडियों में बैग की तलाश की, 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बैग बरामद कर लिया एवं सुबह सभी छात्रों को बुलाकर उनका सामान उनके सुपुर्द किया गया। अपना खोया सामान प्राप्त कर सभी छात्र पुलिस

शर्मा, आजाद अहिरवार, ऋशांक गौतम, रितिक शाक्य ने ट्रेनिंग को जाते समय एक बैग में अपने मोबाइल, कुछ नकदी और अन्य जरूरी सामान रख दिया और भूलवश बैग किस स्थान पर रखा था यह भूल गये। काफी खोजबीन के बाद देर शाम इसकी सूचना इलाइट चौकी प्रभारी अश्वनी दीक्षित को दी, इलाइट चौकी प्रभारी अश्वनी दीक्षित आरक्षी कृष्णकांत तिवारी और आरक्षी विजय करन के साथ रेलवे इंस्टिट्यूट पहुँचे और काफी देर तक आसपास के जंगल की तारीफ करते नजर आये। सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट में फिजिकल ट्रेनर देव रावत ने बताया कि वह काफी समय से सेना व पुलिस की फिजिकल ट्रेनिंग की तैयारी कराते हैं कल शाम से बच्चों के मोबाइल व अन्य सामान गायब हो जाने से सभी का मन निराश था लेकिन आज सुबह जब सभी का सामान सकुशल वापिस मिल गया तो छात्रों के चेहरों पर खुशी वापस आ गई हम सभी पुलिस का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करते हैं।

३३वीं वाहिनी पीएसी में हाफ मैराथन का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
झाँसी। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर मनाये जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी के निर्देशानुसार अमृत सप्ताह के कार्यक्रमों की श्रंखला में दिनांक 16.08.2022 को राजगढ़ स्थित 33 वी वाहिनी पीएसी के सेनानायक के.पी. यादव के निर्देशन में परेड ग्राउंड पर पीएसी परिवार के बच्चों की 2.5 कि0मी0 हाफ़ मैराथन दौड़ का आयोजन कराया गया, सेनानायक द्वारा हरी झंडी दिखा कर दौड़ का शुभारंभ किया गया। दौड़ में विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरण कर जीत की बधाई दी। हाफ मैराथन में सहायक सेनानायक कर्ण सिंह यादव , शिविरपाल विजय राज सिंह, सूबेदार सैन्य सहायक अरविंद कुमार राय एवं समस्त अधि0/कर्म0 उपस्थित रहे।

सपा ने नेता जी सुभाष चंद बोस की पुण्यतिथि मनाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा ग्रामीण के कार्यकर्ताओं ने सेक्टर 102 स्थित भंगेल व्यापार सभा कार्यालय में महान स्वतंत्रता संग्राम

सेनानी सुभाष चन्द्र बोस की पुण्यतिथि मनाई गई । इस अवसर पर सपा नोएडा ग्रामीण के निवर्तमान जिला महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे एवं व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज गोयल ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सपा नोएडा ग्रामीण के निवर्तमान जिला महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के लिए सुभाष चंद्र बोस ने अपनी अग्रणी भूमिका निभाई। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन किया था। उनके द्वारा दिया गया जय हिंद का नारा राष्ट्रीय नारा बन गया। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा भी बहुत प्रचलित हुआ। नेता जी के नाम से मशहूर सुभाष चंद बोस ने 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर के टाउन हॉल के सामने सुप्रीम कमांडर के रूप में सेना को संबोधित करते हुए दिल्ली चलो का नारा दिया और जापानी सेना के साथ मिलकर ब्रिटिश व कामनवेल्थ सेना से बर्मा सहित इम्फाल और कोहिमा में एक साथ जमकर मोर्चा लिया। कृतज्ञ राष्ट्र के हृदय में सदा अमर रहेंगे इस अवसर पर सपा व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज गोयल ने कहा कि 21अक्टूबर 1943 को सुभाष चंद बोस ने आजाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से भारत की अस्थाई सरकार बनाई जिसे जर्मनी,जापान, फिलीपींस, कोरिया,चीन,इटली, मानचुको और आयरलैंड ने मान्यता दी। अमर सेनानी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ । इस अवसर पर व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज गोयल, पुष्पेंद्र बंसल, विनोद राज, सौरभ जिंदल , मनोज गौतम, सुबोध गोयल, रेशमपाल,आदित्य, प्रशांत, हैप्पी त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

परीक्षा में लापरवाही बरतने पर प्रधानाचार्य शीरवुड कॉलेज को पद से हटाए जाने व विद्यालय ब्लैकलिस्ट करने की संस्तुति

(आधुनिक समाचार सेवा)
झाँसी। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि जनपद में आयोजित होने वाली आयोग की परीक्षाओं में विभिनन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया जाता है, माननीय आयोग की मंशा रहती है कि परीक्षा सुचिता, नकल विहीन और पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपनन हो। यदि परीक्षा के आयोजन में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही बरती जाती है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा दिनांक 21-08-2022 (रविवार) को जनपद झाँसी में परीक्षा केन्द्र शीरवुड कालेज में वन रक्षक एंव वन्य जीव रक्षक (सामान्य चयन) प्रतियोगितात्मक परीक्षा आयोजित कराये जाने हेतु उक्त विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रीति खत्री द्वारा प्रदान किये गये सहमति पत्र के आधार पर उक्त विद्यालय को परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। उक्त सहमति पत्र में परीक्षा के लिए केन्द्र व्यवस्थापक के दायित्व के निर्वहन के लिए प्रीति खत्री, प्रधानाचार्या का नाम स्पष्ट रूप से उल्लिखित किया गया था। आयोग द्वारा दिनांक 21-08-2022 को निर्धारित संदर्भगत परीक्षा के दिन पाया गया कि उक्त केन्द्र पर केन्द्र व्यवस्थापक

प्रीति खत्री द्वारा अपने स्थान पर इसी विद्यालय के अन्य शिक्षक, हिमांशु झा, पी0जी0टी0 कम्प्यूटर साइंस को केन्द्र व्यवस्थापक अपने स्तर से नामित कर दिया जो आयोग को परीक्षा के लिए उक्त प्रधानाचार्या द्वारा प्रदान की गयी सहमति के विरूद्ध है क्योंकि प्रधानाचार्य द्वारा इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार का प्रार्थना पत्र जिला विद्यालय निरीक्षक, झाँसी कार्यालय में प्राप्त नही करवाया गया है और न ही जिला विद्यालय निरीक्षक, झाँसी से किसी भी प्रकार की लिखित अथवा मौखिक अनुमति प्राप्त की गई है। उपरोक्त के दृष्टिगत इस विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रीति खत्री ने आयोग की आयोजित होने वाली इस प्रतिष्ठित परीक्षा को सम्पनन कराये जाने के सम्बन्ध में भारी उदासीनता बरतते हुए लापरवाही एंव अनुत्तर दायित्व पूर्ण कार्य किये जाने के फलस्वरूप उक्त प्रधानाचार्या को हटाए जाने एंव विद्यालय को आयोग/शासन की अन्य परीक्षाओं के लिए केन्द्र नही बनाए जाने एंव ब्लैक लिस्ट किये जाने की प्रबल संस्तुति की गयी है। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशन्गत प्रकरण में प्रधानाचार्या प्रीति खत्री, शीरवुड कालेज, झाँसी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही कराने का कष्ट करें। ताकि भविष्य में अन्य परीक्षा केन्द्र संचालक द्वारा इस तरह की लापरवाही न की जाये, क्योंकि ऐसी स्थिति में जब केन्द्र व्यवस्थापक लापरवाह हो, तब नकल एंव परीक्षा संबंधी अन्य अनियमितता की प्रवल सम्भावना बनी रहती है।

राजकुमार भाटी और महेश आर्य बने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दादरी विधानसभा से पार्टी के प्रत्याशी रहे राजकुमार भाटी को तीसरी बार समाजवादी पार्टी का

राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत किया गया है। वही सेक्टर पी-3 ग्रेटर नोएडा निवासी पूर्व विधान परिषद सदस्य महेश आर्य को भी राष्ट्रीय प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है। उनका यह मनोनयन राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किया है। राजकुमार भाटी के पास राजनीति का बहुत लंबा अनुभव है। वह लगातार समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। उनकी गिनती पार्टी के तेजतर्रार प्रवक्ता के रूप में होती है। वही महेश आर्य विधान परिषद सदस्य रहे है और वह अपनी बात को दमदार तरीके से रखने के लिए जाने जाते हैं। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष इन्दर प्रधान ने दोनों प्रवक्ताओं को बधाई देते हुए कहा है कि उनके मनोनयन से जिले के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है तथा जिले के दोनों नेताओं को जिम्मेदारी मिलने से जिले में समाजवादी पार्टी और मजबूत होगी।

थाना कोलगवां पुलिस द्वारा की गई बड़ी कार्यवाही शातिर अपराधी शराब तस्करी करते गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैहर। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय सतना आशुतोष गुप्ता के कुशल निर्देशन ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुरेंद्र जैन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री महेंद्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोलगवां निरीक्षक देवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में हमराही स्टाफ के साथ की गई बड़ी कार्यवाही। घटना विवरण- दिनाँक 25/08/22 को सउनि मुकेश सिंह के हमराही बल के साथ शहर भ्रमण के दौरान मुखबिर सूचना मिली की नई बस्ती एलआईसी आफिस के पास एक व्यक्ति भारी मात्रा मे शराब लिये किसी ग्राहक के इंतजार मे खड़ा है। बाद हमराह स्टाफ मय सूचना तस्दीक हेतु मुखबिर के बताये स्थान पर रवाना हुआ जो नई बस्ती एलआईसी आफिस के पास गया तभी एक व्यक्ति रोड के किनारे खड़ा दिखा जिसके पास कार्टून रखे थे जो पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे हमराही स्टाफ के घेराबन्दी कर पकड़ा जिससे नाम पता पूछा जो अपना नाम आनंद उर्फ प्रिन्स कुमार जैसवाल पिता बद्री प्रसाद उम्र 22 वर्ष नि मथुरा सिंह बस्ती वार्ड क्र 19 नई बस्ती थाना कोलगंवा जिला सतना का होना बताया उक्त संदेही आनंद उर्फ प्रिन्स कुमार जैसवाल से उसकी तलाशी ली गई तथा उसके पास रखी 08 कार्टून खाखी रंग के मिले प्रत्येक

कार्टून (पेटी) को पृथक पृथक खोलकर देखा गया जिसमे 08 कार्टून में कुल 72 लीटर कीमती 24000 / रूपये की होना पाई गयी। बाद उक्त संदेही से उक्त शराब के संबंध मे वैध दस्तावेज पेश करने को कहा गया जो नही होना बताया जिसका यह कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत दण्डनीय पाये जाने से थाना में अपराध क्र 1133/22 धारा 34(2) आब. एक्ट का कायम कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। आरोपी थाना का गुंडा बदमाश है जिसके विरुद्ध थाना में पूर्व से हत्या,हत्या का प्रयास, डकैती की तैयारी, अबैध शराब रखना,अबैध शराब बिक्री,मारपीट, एस सी/एस टी एक्ट जैसे कुल 14 अपराध पंजीबद्ध हैं। गिरफ्तार आरोपी- आनंद उर्फ प्रिन्स कुमार जैसवाल पिता बद्री प्रसाद उम्र 22 वर्ष नि मथुरा सिंह बस्ती वार्ड क्र 19 नई बस्ती थाना कोलगंवा सराहनीय भूमिका- निरी डी. पी.सिंह चौहान, सउनि मुकेश सिंह, प्र आर बृजेश सिंह,वाजिद खान,रमाकांत तिवारी,आर अनिल दुवेदी ,दिलीप दुवेदी,सै ओमप्रकाश दुवेदी। विदित हो कि लगभग 4 माह पूर्व कुख्यात शराब तस्कर आरोपी विपिन जायसवाल का घर पुलिस, नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा ध्वस्त किया गया था आरोपी विपिन जायसवाल का सगा भाई प्रिंस जायसवाल है जोकि उसी मकान में साथ में रहता था जिस मकान को ध्वस्त किया गया था।

गलगोटियाज विश्वविद्यालय ने भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 5 दिवसीय स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन प्रतियोगिता का किया भव्य उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। गलगोटिया विश्व विद्यालय में भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 5 दिवसीय स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन भारत सरकार के शिक्षा राज्य मंत्री डॉ0 सुभाष सरकार, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो0 अनिल सहस्रबुद्धे, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के मुख्य नवाचार अधिकारी डॉ0 अभय जेरे, उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार की प्रमुख सचिव श्रीमती मोनिका एस0 गर्ग ने किया। इस दौरान और विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति सुनील गलगोटिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी ध्रुव गलगोटिया, कुलपति प्रो0 डॉ0 प्रीति बजाज, उपकुलपति डॉ0 अवधेश कुमार, कुलसचिव नितिन गौड़ मौजूद रहे। शिक्षा राज्य मंत्री डॉ0 सुभाष सरकार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि गलगोटिया विश्व विद्यालय में आये हुए सभी युवा इनोवेटर्स का मैं स्वागत करता हूँ। हम सभी का सौभाग्य है कि स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2022 ग्रैंड फिनाले के सभी 75 नोडल सेंटर का उद्घाटन गलगोटिया विश्वविद्यालय से किया गया। प्रो0 अनिल सहस्रबुद्धे जी ने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री जी ने 2017 में एक बीज रोपित किया था जो आज एक बड़े वट वृक्ष के रूम में हमारे सामने है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में 25 से 30 हैकाथॉन सेंटर ही चल रहे थे लेकिन आज इनकी संख्या बढ़ कर 75 हो गई है। हमने 2020 कोविड के समय में भी हैकाथॉन का ऑनलाइन आयोजन करके विश्व स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किया है। श्रीमती मोनिका एस0 गर्ग ने कहा कि हैकाथॉन कार्यक्रम प्रधान मंत्री जी के भारत को 2047 तक सुपर पॉवर बनाने के विजन को सफल करने में सहायक सिद्ध होंगे। नवाचार अधिकारी डॉ0 अभय जेरे ने कहा कि पुरे देश में 75 हैकाथॉन नोडल सेंटर में जितने भी प्रतिभागी है मै उन सभी का धन्यवाद करता हूँ कि यह उनके कठिन परिश्रम का ही परिणाम है की आज पुरे देश में 75 नोडल सेंटर पर हैकाथॉन का आयोजन संभव हो पाया है साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ध्रुव गलगोटिया और कुलपति डॉ0 प्रीति बजाज के महत्वपूर्ण योगदान के लिए सराहना की। परसिस्टेंट सिस्टम कंपनी के संस्थापक डॉ0 आनंद देश पांडेय ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर सभी को शुभकामनाए दी। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ0 प्रीति बजाज के द्वारा किया गया। यह हैकाथॉन प्रतियोगिता आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर और आत्म निर्भर भारत अभियान के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की इनोवेशन सैल के संरक्षण में आयोजित की जा रही है। भारत सरकार के द्वारा स्मार्ट इंडिया हैकथॉन को 2017 में दोनों विधाओं हार्डवेयर और सॉफ्टवेर के रूप में शुरू किया

गया था। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2022 प्रतियोगिता के इस पाँचवे हार्डवेयर संस्करण को गलगोटियाज विश्वविद्यालय नोडल सेंटर के रूप में आयोजित कर रहा है। जिसमें आंध्रा- प्रदेश, उड़ीसा, केरला, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना इन सभी राज्यों से कुल 22 टीमों के 140 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। ये सभी छात्र अगले पांच दिनों तक शिक्षा मंत्रालय, इलैक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय (भारत सरकार) के द्वारा निर्धारित स्मार्ट एजुकेशन, स्मार्ट ऑटोमेशन, कृषि खाद्य तकनीकी और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य करेंगें। यह स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सैल के द्वारा छात्रों को सरकार, मंत्रालयों, विभागों, उद्योगों और अन्य संगठनों की गंभीर समस्याओं को हल करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल है। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन दुनिया के सबसे बड़े ओपन इनोवेशन मॉडल के रूप में प्रसिद्ध है। और यह छात्रों के बीच उत्पाद नवाचार और समस्या-समाधान की संस्कृति को विकसित करता है। इस वर्ष स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन दोनो विधाओं सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर रूप से पेश किया गया है। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2022 हार्डवेयर ग्रैंड फिनाले 25 अगस्त से 29 अगस्त 2022 तक निर्धारित किया गया है। जिसमें 2033 टीमों के 15000 से अधिक छात्र राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेकर मंत्रालयों, विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों और निजी सहित कुल 62 संगठनों से प्राप्त 476 समस्याओं के समाधान पर कार्य करेंगें। सभी पांचों प्रॉब्लम स्टेटमेंट की विजेता टीमों को 1 लाख रूपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर हम सभी ठआजादी का अमृत महोत्सवठ मना रहे हैं यह एक संयोग ही है कि इस प्रतियोगिता के दौरान भी विश्वविद्यालय के 75 शिक्षक स्वयं सेवक 75 छात्र स्वयं सेवक और 75 ई-सेल के छात्र दिन रात अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

घायल अवस्था में मिला युवक इलाज के दौरान हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के बाड़ी खनन कैम्प के सामने आज शुक्रवार लगभग सुबह 5 बजे के करीब किसी अज्ञात वाहन के चपेट में आने से लगभग 35 वर्षीय युवक घायल हो गया वहीं स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना 108 नंबर एंबुलेंस को दे दिया सूचना पाकर मौके पहुंची एंबुलेंस में घायल युवक को चोपन सीएचसी में भर्ती कराया इलाज के दौरान हुई मौत युवक के सम्बन्ध में चौकी इंचार्ज सुरेश चंद्र द्विवेदी ने बताया कि घायल का इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी हैं। जिसकी पहचान नही हो सकी। समाचार लिखे जाने तक युवक का पहचान के लिए शव को कब्जे में रक्खा गया है।

रानीतारा के शिव मंदिर में हुई चोरी का करमा पुलिस ने किया खुलासा

मंदिर में लगाई गई दान पेटिका सहित पैसे की हुई थीं चोरी पुलिस ने चोरी में संलिप्त आरोपियों समेत सब्बल,पैसे को किया बरामद

(आधुनिक समाचार सेवा)

करमा (सोनभद्र)। थानांतर्गत स्थित ग्राम रानीतारा के शिव मन्दिर की चोरी की गई दान पेटिका एवम उसमे रखे दान व चढ़ावा के पैसे पर चोरों ने हांथ साफ कर दिया था। मंदिर की दान पेटिका व चोरी किए गए दान के पैसे के बरामदगी एवम चोरी में संलिप्त अभियुक्तो की गिरफ्तारी के लिए कर्मा पुलिस ने स्वयं एवम मुखबिरों के माध्यम से घेरा बंदी सुरु कर चोरी का खुलासा करने में सफलता हासिल कर लिया है। कर्मा थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि चोरी किये जाने के संबंध में पंजीकृत मु0अ0सं0-117/22 धारा 380 भादवि में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियोग पंजीकरण के 06 घण्टे के अन्दर दिनांक 26.08.2022 को मुकदमा उपरोक्त से संबंधित चोरी की गई दान पेटिका के दान की राशि 4259 रुपये की बरामदगी एवं दान पेटिका तोड़ने में उपयोग किये गये सब्बल

की बरामदगी करते हुए दोअभियुक्तों-सियाराम कोल पुत्र लालमनी कोल,-राजू प्रजापति पुत्र रामजियावन निवासीगण ग्राम रानीतारा थाना करमा जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर उक्त अभियोग में धारा 411 भादवि की बढ़ोत्तरी करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया गया है। बताते चले कि विगत दिनों रानीतारा गांव के शिव मंदिर से रात में जमीन में मजबूती से लगाई गई दान पेटिका को चोर उखाड़ ले गए, तथा उसे तोड़कर उसमें रखे पैसे निकाल लिए। मंदिर के दान पेटिका की चोरी होने से पूरे गांव एवम आस पास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परंतु मंदिर में हुई चोरी का खुलासा होने एवम चोरी में संलिप्त अभियुक्तो की गिरफ्तारी के बाद ग्रामिणों ने राहत की सांस लेते हुए कर्मा थाना पुलिस की जमकर प्रशंसा की।.

प्रतिष्ठित घराने से संबंध रखने वाली रजनी गुप्ता ने अंतिम सांस मिर्जापुर के मंडली अस्पताल में लिया

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। आर्ट आफ लिविंग कि प्रशिक्षित अध्यापिका व कई सामाजिक कार्यो में बढ़-चढ़कर रुचि लेने वाली समाजसेवी जनपद की प्रतिष्ठित घराने से संबंध रखने वाली रजनी गुप्ता ने अंतिम सांस मिर्जापुर के मंडली अस्पताल में लिया। उनके निधन की खबर से इलाके में शोक की लहर दौड़ पड़ी ।तमाम समाजसेवी , शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े तमाम लोग कई व्यवसायिक घरानों से जुड़े लोगों के अलावा कई विशिष्ट अति विशिष्ट लोगों ने रजनी गुप्ता के निधन पर शोक व्यक्त किया और उनके परिजनों को साहस और हिम्मत रखने की दुआ की। बताते चलें कि पिछले कुछ महीनों से उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी मेदांता अस्पताल में इलाज कराने के बाद तबीयत में सुधार होने के बाद पिछले 2 दिनों से तबियत अचानक और ज्यादा बिगड़ गई जिला अस्पताल में आईसीयू में कुछ देर भर्ती रहने के बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उमर उमर वैश्य महिला मंडल की संरक्षिका के पद पर समाज को एक सूत्र में बांधने के साथ समाज के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत रहने वाली रजनी गुप्ता के निधन की सूचना पर समूचा वैश्य समुदाय आहत और मर्माहत महसूस कर रहा है। वैश्य समुदाय के कई संगठनों ने रजनी गुप्ता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त किया है । नेशनल कन्वेंट स्कूल की संरक्षिका के पद पर रहते हुए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को लोग आज याद कर रहे हैं। मिर्जापुर के वासलीगंज आवास पर उनके शुभचिंतकों समाज के तमाम बुद्धिजीवियों ने पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की उनके पुत्र प्रत्यूष गुप्ता ने बताया कि उनका पार्थिव शरीर दिनांक 27 अगस्त को 4:00 बजे गंगा तट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा 24 घण्टे के अन्दर घर में घुसकर महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी ठेकेदार को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। थाना को0कटरा, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 24.08.2022 को थाना को0शहर क्षेत्रान्तर्गत निवासिनी एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरुद्ध स्वयं(वादिनी) को घर पर अकेला पाकर घर में घुसकर दुष्कर्म के सम्बन्ध में तहरीर दी गई थी । जिसके सम्बन्ध में थाना को0कटरा पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । पुलिस अधीक्षक मीरजापुर 'संतोष कुमार मिश्रा' द्वारा महिला के साथ हुई उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही करने हेतु

प्रभारी निरीक्षक को0कटरा को निर्देश दिया गया था । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांक 25.08.2022 को उ0नि0 कुमार संतोष मय पुलिस बल द्वारा मु0अ0सं0-150/2022 धारा 376,457 भादवि में पर्याप्त साक्ष्य संकलन करते हुए 24 घण्टे के अन्दर सम्बन्धित अभियुक्त सुहैल खान निवासी सिविल लाइन गोसाई तालाब विजय गार्डन थाना को0शहर जनपद मीरजापुर को थाना को0कटरा क्षेत्र से गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया । उ0नि0 कुमार संतोष थाना कोतवाली कटरा मीरजापुर मय टीम ।

जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रतिबंधित पालीथीन रखने वाले गोदामों पर छापा

इमरती रोड पर प्रतिबंधित पालीथीन रखने वाले गोदाम पर पड़ा छापा, चार क्विंटल सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त,25 हजार का किया गया जुर्माना

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। मीरजापुर 25 अगस्त 2022। जनपद में प्रतिबंधित पालीथीन पर प्रतिबंध लगाने व के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने नगर पालिका प्रशासन को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के निर्देश के अनुपालन में पालिका प्रशासन ने बुधवार को कई जगहो पर छापेमारी की और लगभग सात क्विंटल प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त कर 46 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूल किया। नगर पालिका प्रशासन ने दिन में जबरदस्त कार्यवाही करते हुये सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वालों के खिलाफ नगर के मुकेरी बाजार, नारघाट, इमरती रोड, टटहैया इलाकों में छापेमारी की थी। वही बुधवार की देर रात अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद श्री अंगद गुप्ता के नेतृत्व में भी इमरती रोड स्थित एक गोदाम पर छापेमारी कर चार कुंतल सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर 25 हजार जुर्माना भी वसूल किया। इमरती रोड स्थित एक गोदाम पर प्रतिबंधित प्लास्टिक मिलने की सूचना मिली थी। देर रात्रि अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद के नेतृत्व में प्रशासन की मौजूदगी में गोदाम का ताला खुलवाया गया। गोदाम में थर्माकोल से बने प्लेट, प्लास्टिक के चम्मच और पालीथिन बरामद हुआ। पालिका प्रशासन ने माल जब्त करते हुये जुर्माने की कार्यवाही की। अधिशासी अधिकारी के नेतृत्व में चले इस अभियान में दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक न रखने की सलाह भी दी गयीं। भारत सरकार द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक को एक जुलाई से पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ रेस कार्यक्रम के तहत मीरजापुर के कई स्थानों पर जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया था। व्यापारिक संगठनों के साथ बैठक कर प्रतिबंधित प्लास्टिक न बेचने की अपील की गयीं थी लेकिन फिर भी कई दुकानदार जिला प्रशासन का सहयोग न करते हुये सिंगल यूज प्लास्टिक को धड़ल्ले से बेच रहे है। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी ने कहा कि प्रतिबंधित प्लास्टिक रखने वाले दुकानदारो के खिलाफ जब्ती और जुर्माने की कार्यवाही की जायेगी। किसी भी दुकानदार के पास कम से कम सौ ग्राम भी प्लास्टिक पाया जाता है तो उनके खिलाफ लगभग एक हजार का जुर्माना भी लगाया जायेगा। बुधवार को नगर के थोक विक्रेताओं सहित कई दुकानों पर छापेमारी कर सात कुंतल प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त करते हुये 46 हजार रूपये चालान के रूप में वसूला गया है। इन दुकानदारों को दोबारा प्रतिबंधित प्लास्टिक न बेचने की हिदायत भी दी गयी है। गुरुवार को भी पालिका की टीम द्वारा कई इलाको में ध्वनि विस्तारक यंत्रों से दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक न बेचने के लिये आगाह भी किया गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने वाले के खिलाफ लगातार ऐसा ही अभियान चलाकर कार्यवाही की जाती रहेगी।

मिर्जापुर जिला अधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के फोटो का दुरुप किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। जिला अधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के फोटो का दुरुपयोग करते हुए मोबाइल धारक मोबाइल संख्या 79 7272 9726 का संचालक की धरपकड़ में पुलिस सक्रिय हो गई है ।बताते चलें कि उपरोक्त नंबर का मोबाइल धारक संचालक जिलाधिकारी मिर्जापुर का फोटो इस्तेमाल करके अधिकारियों की न सिर्फ क्लास ले रहा है बल्कि उनके वर्तमान समय की स्थिति और लोकेशन को भी ट्रैक कर रहा है। संपूर्ण घटनाक्रम पर जिलाधिकारी स्वयं घटना को संज्ञान में लेते हुए जांच के निर्देश दे दिए हैं और लोगों को आगाह किया है इस तरीके के मैसेज का स्क्रीनशॉट लेकर वह तत्काल डीएम स्वयं अवगत कराएं।

साईबर कैफे में फर्जी जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने का काम हो रहा है

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। साइबर कैफे के संचालक एवं पोस्ट आफिस में काम करने वाले एक व्यक्ति कि मिली भगत सें फर्जी जन्म प्रमाणपत्र के खेल को बहुत दिनों से खेला जा रहा था कितनो का भविष्य

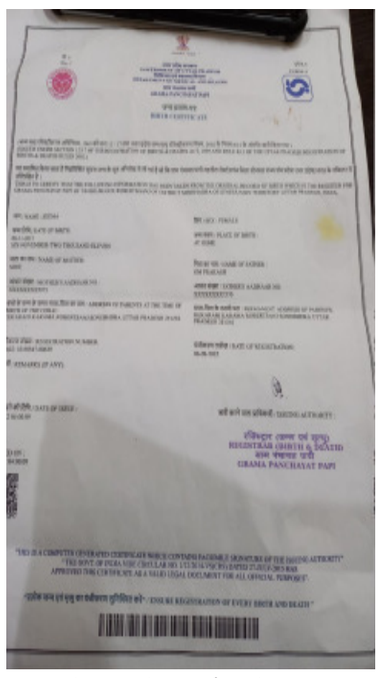

खराब हो गया हो गा पैसा लेकर खुद के स्तर से ही बेखौफ तरीके से जन्म, मृत्यु व अन्य ऑनलाइन प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। सत्यापन के बाद इन प्रमाण पत्रों की असलियत सामने आती है।की वो स्केनिग है बृहस्पतिवार को फर्जी जन्म प्रमाण पत्र का मामला सामने आया है। आखिर कार स्वास्थ्य विभाग का आईडी पासवर्ड आडि कैसे बाहर गई या फर्जी आईडी के आधार पर बनाया जा रहा ये तो जांच का विषय है हालांकि की केकराही की रहने वाली महिला अपने नातिनों का जन्म प्रमाण पत्र के लिए गयी तो उससे दो का 200 लिया गया और उसको बना के दे दिया गया जब इसका मामला स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को पता चला तो हड़कंप मच गया संतोषी पुत्र ओम प्रकाश के नाम से जन्म प्रमाण पत्र जारी हो गया जन्म प्रमाण पत्र देखते ही फर्जी लगा, उन्होंने प्रमाणपत्र पर अंकित नंबर को पोर्टल पर डालकर सत्यापन किया तो पता चला कि इस नंबर से कोई प्रमाण-पत्र जारी ही नहीं हुआ है। संबंधित प्रकरण को सीएमओ से जानकारी लेकर साईबर कैफे के ख़िलाह एफआईआर दर्ज कराया जाएगा साइबर कैफे पर बन रहे फर्जी प्रमाण पत्र आसपास कॉमन सर्विस सेंटरों व लोकवाणी केंद्रों के संचालक पैसे लेकर कोई भी प्रमाण पत्र स्कैन कर जारी कर देते है।पोस्ट आफिस का एक कर्मचारी और साईबर कैफे के ताल मेल से जन्म प्रमाण पत्र का है खेल खेल रहा है ।आखिर कार जल्द नही हुई कार्यवाई तो कितनो का भविष्य खतरे में हो जाएगा।

दो किग्रा 500ग्राम गांजा हुआ बरामद एक अभियुक्त कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम थाना करमा पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल सवार अभियुक्त प्रदीप पटेल पुत्र इन्द्रदेव पटेल निवासी ग्राम तालर, थाना अहरौरा, जनपद मीरजापुर, उम्र लगभग 22 वर्ष को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुल 2 किग्रा 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया । उपरोक्त बरामदगी के सम्बंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 114/2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है । **गिरफ्तारी का विवरण** - 01. प्रदीप पटेल पुत्र इन्द्रदेव पटेल निवासी ग्राम तालर, थाना अहरौरा, जनपद मीरजापुर, उम्र लगभग 22 वर्ष । **बरामदगी का विवरण-** 1- 02 किग्रा 500 ग्राम गांजा । 2- एक अदद मोटरसाइकिल **पुलिस टीम का विवरण-** 1. उ0नि0 रुपेश कुमार सिंह, थाना करमा, जनपद सोनभद्र । 2. हे0का0 योगेन्द्र उपाध्याय, थाना करमा, जनपद सोनभद्र । 3. हे0का0 चंदन सिंह, थाना करमा, जनपद सोनभद्र ।

मूल धर्म व पूजा पद्धति को छोड़ने वाले जनजाति नहीं हो सकते -गणेश राम भगत

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय नगर क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा तीन दिवसीय अखिल भारतीय जनजाति से अखिल भारतीय जनजाति सुरक्षा मंच कार्यशाला चुनार में शामिल होने जा रहे छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री व अखिल भारतीय जनजाति के संयोजक गणेश

कार्यशाला चुनार में शामिल होने जा रहे पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गणेश राम भगत का पुर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन व मंडल महामंत्री संदीप सिंह मोनू के नेतृत्व में माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया व भारत माता की जय के नारे लगाए गए। गुरुवार को छत्तीसगढ़ राम भगत का काफिला डाला बाजार में पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोककर गर्म जोशी से माला पहनाकर व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व मंत्री श्री भगत ने कहा कि अखिल भारतीय जनजाति सुरक्षा मंच कार्यशाला में देश के कोने-कोने से जनजाति सुरक्षा मंच के प्रतिनिधियों का समागम होगा जहां जनजाति विषयों पर आधारित वार्ता होगी। धर्मांतरित जो लोग हैं उनका आरक्षण समाप्त होना चाहिए मूल धर्म व पूजा पद्धति को छोड़ने वाले जनजाति नहीं हो सकते।इनका आरक्षण समाप्त होते ही गिरीवासी, बनवासी, जनजाति, अगड़े, पिछड़े जो लोग है उनको आने वाले दिनों में इसका अवश्य लाभ मिलेगा। धर्म परिवर्तन करने वालों को मुख्यधारा में वापस लाने के लिए वार्ता की जाएगी जो वापस मुख्यधारा में नहीं आएगा उन्हें दोहरा लाभ न मिलने पाए इसके लिए सूचियों से नाम हटाने की योजना बनाई जाएगी।प्रयास यह रहेगा की जिन्होंने धर्म परिवर्तन किया है वह घर वापसी कर के मुख्य धारा में शामिल हो जाएं।इस दौरान रामविचार नेताम, वनवासी कल्याण आश्रम के जिला संगठन मंत्री शिव प्रसाद,जिला उपाध्यक्ष देवनारायण खरवार, संतोष अग्रहरी, राजू शुक्ला,सदन साहू,रिशु जायसवाल, विशाल कुमार, अवनीश पांडेय,रजत कुमार, आलोक कुमार,राजेश पटेल, सारदा अग्रहरी आदि मौजूद रहे।

दस वर्ष पूर्व हुई धनेसरी हत्याकांड में 10 वर्ष कि हुई कैद

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार यादव की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए 10 वर्ष पूर्व हुए धनेसरी हत्याकांड के मामले में दोषसिद्ध पाकर दोषी रामकिसुन गोड़ को 10 वर्ष की कैद एवं 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक ओबरा थाना क्षेत्र के बघमनवा बिल्ली मारकुंडी गांव निवासी रामदेव गोड़ पुत्र समरत ने 28 नवंबर 2012 को ओबरा थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसका सगा भाई रामकिसुन गोड़ हाथ में कुल्हाड़ी लेकर 6:30 बजे आया और आग ताप रही बुआ धनेसरी देवी को भूत करने का आरोप लगाते हुए कई वार कर दिया, जिससे वह खून से लथपथ हो गई। तत्काल बुआ को चोपन सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां से गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। दवा-इलाज के दौरान बुआ धनेसरी देवी की मौत हो गई। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय

में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी रामकिसुन गोड़ को 10 वर्ष की कैद एवं 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने बहस की।

अनपरा पुलिस ने चार पहिया वाहन से चोरी करने वाले गिरोह का किया पर्दाफाश

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा चलाए जा रहे अभियान के मद्देनजर वह अनपरा पुलिस महोदय व क्षेत्राधिकारी परवरिश प्रदीप सिंह चंदेल द्वारा गठित टीम अनपरा प्रभारी निरीक्षक श्री कांत राय, रेनू सागर चौकी प्रभारी चंद्रभान सिंह ,एसआई विनोद यादव, हेड कांस्टेबल सरवन प्रजापति, कॉन्स्टेबल अभिनव पांडे ,अजय वर्मा, विनीत सिंह , राविंनस तिवारी ,सचिन सिंह, तरुण कुमार पुलिस द्वारा आज दिनांक 19 /08/ 2022 को रात्रि 02.10।एचएचसीएल कॉलोनी मोड डिबुलगंज से 0495 7792 को गिरफ्तार किया गया जबकि 1 चोर मौके से भागने में सफल रहा इनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल चोरी के मोबाइल चोरी के चांदी के पायल वह लैपटॉप डेस्कटॉप बरामद हुआ इनके द्वारा थाना क्षेत्र में दिनांक 1 18/ 8/22 की रात्रि में वार फाल ककरी से मोटरसाइकिल ळझ् 64 4990 विकी गई जो बरामद किया गया। जबकि उसी स्थान से दो मोबाइल भी चुराए हैं हैं जिस वे संबंध में म0अ0स'0144/2022 धारा 379 भादवि पंजीकृत है। 2 दि0 18/07/2022 होंडा एजेंसी के पीछे आदर्श नगर और केमिस्ट्री सरफराज इकबाल का लैपटॉप लेनेवो मय डाटा मय डाटा केबल। 3 दि0 26/07/22 मैकस डायगनेस्टिक सेंटर औडी मोड में चोरी हुई जिस के संबंध में मु0अ0स0143/2022 धारा 380 भादवी पंजीकृत है जिसमें एक आईफोन व एक मोबाइल रियलमी व ?500 बरामद है। 4 करीब 10 माह पूर्व वानाला से चोरी हुआ था जिसमें पायल व सिक्के बरामद हुए। 5 थाना पिपरी के रेणुकूट से करीब एक डेढ़ माह पूर्व डेक्सटॉप कीबोर्ड यूपीएस केबल डाटा सीपीयू चोरी किया गया था। अवगत कराना है कि उपरोक्त घटनाओं की चोरियों का खुलासा हुआ है इसके अतिरिक्त जिस चार पहिया वाहन वैगनआर 640216 से चोरी करने जाते थे या चोरी करके सामान ले जाते थे वह भी गाड़ी बरामद कर ली गई पकड़े गए अभियुक्त पूर्व में भी जेल जा चुके हैं इनकी गिरफ्तारी से चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। नाम पता अभियुक्तः- 1- सूरज कुमार बिंद उर्फ सुनील पुत्र गणेश बिंद उम्र 23 वर्ष निवासी डब्लू आई कॉलोनी थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। 2:-कृपाशंकर स्वीपर पुत्र छोटेलाल उम्र 22 वर्ष निवासी फर्स्ट टाइप कॉलोनी स्वीपर बस्ती थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। 3;-राजा स्वीपर पुत्र जगदीश उम्र 23 वर्ष निवासी दुराशनी मंदिर औडी मोड थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। 4:-घमडी धरिकार पुत्र श्याम नारायण धरिकार उम्र 20 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 12 डिबुलगंज थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। बरामदगीः-1:-लेनेवो का डेस्कटॉप एक दत मॉनिटर 2:- लेनेवो कीबोर्ड मय वायर एक अदद 3:-लेनेवो सीपीयू एक अदद 4:-डाटा केबल एक अदद होल्डर दोनों तरफ लंबाई 1.5 मीटर 5:-डाटा केबल दो अदद एक तरफ होल्डर एक तरफ प्लग।

विराट कोहली पर भी पाकिस्तान से मैच का दबाव दुबई घूमने निकले, शेयर की सेल्फी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । विराट लंबे समय से फॉर्म में नहीं हैं। वह अच्छी शुरुआत तो करते हैं, लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं बदल पा रहे हैं। उनके ऊपर पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी पारी खेलने का दबाव है। एशिया कप में रविवार को भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी। क्रिकेट के मैदान पर जब भी ये दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हैं तो खिलाड़ियों पर बहुत दबाव होता है। इससे दुनिया के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली भी अलग नहीं हैं। दबावमुक्त होने के लिए कोहली ने शुक्रवार को कुछ ऐसा किया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कोहली ने इंस्टाग्राम स्टोरी में अपनी एक सेल्फी शेयर की। उन्होंने फोटो के साथ लिखा, ''एक ड्राइव और कुछ सामान्य स्थिति! हां प्लीज।'' विराट लंबे समय से फॉर्म में नहीं हैं। वह अच्छी शुरुआत तो करते हैं, लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं बदल पा रहे हैं। उनके ऊपर पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी पारी खेलने का दबाव है। दस माह बाद 28 अगस्त को दुबई में एशिया कप में दोनों देश आमने-सामने होंगे। इससे पहले दोनों इसी मैदान पर 24 अक्तूबर 2021 में टी-20 विश्वकप में खेले थे, जिसमें पाकिस्तान को 10 विकेट से जीत मिली थी। उस मैच में कोहली ने अर्धशतक लगाया था। वह पाकिस्तान के खिलाफ टी20 में लगातार तीसरा अर्धशतक लगाना चाहेंगे। उन्होंने 2016 में भी एक अर्धशतक लगाया था। कोहली के फॉर्म पर गांगुली का बयान भारत-पाकिस्तान मैच में दबाव को लेकर बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि इस मुकाबले में हमेशा दबाव होता है। गांगुली ने कहा, ''भारत और पाकिस्तान के मैच अलग हैं। इन मैचों में अतिरिक्त दबाव होता है। रोहित शर्मा, केएल राहुल और विराट कोहली जानते हैं कि दबाव को कैसे संभालना है। कोई कम या ज्यादा नहीं है। टी20 में कुछ भी संभव है।'' गांगुली ने सिर्फ इस मैच को लेकर ही नहीं बल्कि पूर्व कप्तान विराट कोहली के फॉर्म को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''विराट कोहली एक बड़े खिलाड़ी हैं, जो लंबे समय से खेल रहे हैं। उनका रन बनाने का एक अलग अंदाज है। ऐसा नहीं है कि कोई बड़ा खिलाड़ी इतने लंबे समय तक स्कोर नहीं करता। कोहली को टीम के साथ-साथ खुद के लिए भी रन बनाने होंगे।''

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलीं मिताली राज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । फैंस ने पूछा भाजपा में कब शामिल होंगीपूर्व भारतीय क्रिकेटर मिताली राज ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वे भाजपा में शामिल हो सकती हैं। भारतीय महिला टीम की पूर्व क्रिकेटर मिताली राज ने भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है। इस मुलाकात में उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अगस्त को गुलदस्ता भी भेंट किया है। जेपी नड्डा और मिताली की मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के बाद एक फैन पूछा है कि वो भारतीय जनता पार्टी में कब शामिल हो रही हैं। हालांकि, भाजपा या मिताली राज की तरफ से इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की गई है। मिताली ने इसी साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा है। वो महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। मिताली ने 1999 में 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था और 39 साल की उम्र में क्रिकेट को अलविदा कहा। अपने 23 साल के करियर में उन्होंने 232 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 50.68 की औसत से 7805 रन बनाए। इसके अलावा मिताली ने 12 टेस्ट मैच भी खेले हैं। इसमें उन्होंने 19 पारियों में 43.68 की औसत से 699 रन बनाए। वहीं, 89 टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 2364 रन हैं। इसमें उनकी औसत 37.52 की रही। मिताली ने वनडे में आठ विकेट भी झटके हैं। वनडे में मिताली के नाम सात शतक और 64 अर्द्धशतक हैं। वहीं टेस्ट में वह भारत की ओर से दोहरा शतक लगाने वाली इकलौती महिला बल्लेबाज हैं। 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ मिताली ने 214 रन की पारी खेली थी। यह महिला क्रिकेट में टेस्ट में दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी है। 39 साल की मिताली ने टीम इंडिया के लिए 10,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने भारतीय टीम से छह वर्ल्ड कप खेले हैं। मिताली ने 2000, 2005, 2009, 2013, 2017 और 2022 में वर्ल्ड कप खेला। सबसे ज्यादा विश्व कप खेलने के मामले में मिताली ने न्यूजीलैंड की पूर्व क्रिकेटर डेब्बी हॉकली और इंग्लैंड की चालीट एडवर्ड्स को पीछे छोड़ा था।

अनुराग ठाकुर और भूटिया ने फीफा के फैसले का स्वागत किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । ठाकुर बोले- फुटबॉल प्रशंसकों की जीतएआईएफएफ पर लगा प्रतिबंध हटने पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह प्रशंसकों की जीत है। वहीं, बाइचुंग भूटिया ने कहा कि यह बदलाव का समय है। दोनों ने फीफा के फैसले पर खुशी जताई है। विश्व फुटबाल की संचालन संस्था फीफा के अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) पर लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया। फीफा के इस फैसले पर केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया ने खुशी जताई है। अनुराग ठाकुर ने इसे प्रशंसकों की जीत करार दिया। वहीं, भूटिया ने कहा कि यह बदलाव का समय है। फीफा ने एआईएफएफ पर 11 दिन पहले 'तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण प्रतिबंध लगाया था। इसके बाद भारत में महिला अंडर-17 विश्व कप के आयोजन पर भी तलवार लटक गई थी। साथ ही भारत में होने वाले सभी घरेलू मैच अमान्य करार दिए गए थे। भारतीय फुटबॉल टीम को दूसरे देशों के साथ खेलने की अनुमति नहीं थी। यह प्रतिबंध हटने के बाद भारत को इस साल अक्तूबर में महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की मंजूरी भी मिल गई है।ठाकुर के मंत्रालय ने फीफा और उच्चतम न्यायालय के बीच समन्वय बिठाकर प्रतिबंध को हटाने में अहम भूमिका निभाई। उच्चतम न्यायालय ने प्रशासकों की समिति (सीओए) का कार्यकाल समाप्त कर दिया था जो कि प्रतिबंध हटाने की पहली शर्त थी।ठाकुर ने ट्वीट किया,'' यह बात साझा करते हुए मैं प्रसन्न हूं कि फीफा परिषद के ब्यूरो ने एआईएफएफ पर लगाया गया प्रतिबंध तुरंत प्रभाव से हटाने का फैसला किया है। फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप अब पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 से 30 अक्टूबर तक भारत में होगा। यह फुटबॉल प्रशंसकों की जीत है।''एआईएफएफ के चुनाव अब दो सितंबर को होंगे जिसमें दिग्गज फुटबॉलर बाइचुंग भुटिया और पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे अध्यक्ष पद के लिए आमने-सामने हैं।एआईएफएफ को 85 साल के उसके इतिहास में पहली बार प्रतिबंधित किया गया था, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तीन सदस्य प्रशासकों की समिति (सीओए) को बर्खास्त कर दिया था जिससे प्रतिबंध हटाने का रास्ता साफ हो गया था।

युकी भांबरी यूएस ओपन क्वालिफायर्स के दूसरे दौर में बाहर, बेल्जियम के बर्ग्स ने हराया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । 30 वर्षीय युकी पिछले तीन वर्षों से घुटने की चोट से परेशान थे। रिकवर होने के लिए उनके कई ऑपरेशन भी हुए। वह इस वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वालिफायर में भी दूसरे दौर में बाहर हो गए थे। भारत के टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी गुरुवार को यूएस ओपन के क्वालिफायर्स के दूसरे दौर में हार गए। भांबरी बेल्जियम के जिजोउ बर्ग्स से 3-6, 2-6 से हार गए। 552वीं रैंक के भांबरी ने अपने से उच्च रैंक के बर्ग्स (155वीं रैंक) के साथ पहला सेट 3-3 से बराबरी पर कर दिया था, लेकिन वह इसके बाद कोई गेम नहीं जीत सके। दूसरे सेट में बर्ग्स ने भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ और बेहतर खेला। उन्होंने 6-2 से जीत दर्ज की। 30 वर्षीय युकी पिछले तीन वर्षों से घुटने की चोट से परेशान थे। रिकवर होने के लिए उनके कई ऑपरेशन भी हुए। वह इस वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वालिफायर में भी दूसरे दौर में बाहर हो गए थे। वहीं भारत के रामकुमार रामनाथन और सुमित नागल भी एकल के क्वालिफायर्स में हारकर बाहर हो गए।

एक साल बाद टेनिस कोर्ट पर वापसी करेंगे रोजर फेडरर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । नडाल ने जताई खुशी20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोजर फेडरर इस साल सितंबर के महीने में वापसी कर सकते हैं। वह लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी और दोस्त नडाल के साथ लंदन में लेवर कप में जोड़ी बनाएंगे। इसके बाद वो बासेल में स्विस इंडोर टूर्नामेंट में भी भाग लेंगे। रोजर फेडरर एक साल से अधिक समय बाद टेनिस कोर्ट में वापसी कर रहे हैं। उनकी वापसी से उनके सभी फैन बेहद खुश हैं और राफेल नडाल भी इनमें से एक हैं। उन्होंने कहा कि वो स्विटजरलैंड की महान खिलाड़ी की वापसी के लिए एक महीने का इंतजार नहीं कर सकते। फेडरर ने पिछले साल विंबलडन के बाद से अपने घुटने का एक और ऑपरेशन कराया था। इस वजह से 41 वर्षीय खिलाड़ी लंबे समय से टेनिस नहीं खेल पा रहे थे। 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोजर फेडरर इस साल सितंबर के महीने में वापसी कर सकते हैं। वह लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी और दोस्त नडाल के साथ लंदन में लेवर कप में जोड़ी बनाएंगे। इसके बाद वो बासेल में स्विस इंडोर टूर्नामेंट में भी भाग लेंगे। पुरुषों के रिकॉर्ड 22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले नडाल ने यूएस ओपन से पहले शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, ठबेशक, रोजर को फिर से कोर्ट पर देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे आशा है कि वह ऐसा करने के लिए पूरी तरह फिट है।ठ जब नडाल से पूछा गया कि क्या लंबे समय बाद फेडरर सफल वापसी कर पाएंगे तो उन्होंने कहा ठहां, देखते हैं। रोजर को कोर्ट पर उतरे काफी समय हो गया है, इसलिए मुझे में उम्मीद है कि वह वापसी कर पाएंगे, लेकिन देखते हैं।फेडरर ने पिछले दो वर्षों में घुटने के तीन ऑपरेशन कराए हैं और 2021 विंबलडन में ह्यूबर्ट हर्काज से क्वार्टर फाइनल हारने के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है।लेकिन लगभग 14 महीने तक नहीं खेलने के बावजूद उन्होंने खेल में अपनी लोकप्रियता बरकरार रखते हुए, 17वीं बार दुनिया के सबसे अधिक कमाई करने वाले टेनिस खिलाड़ियों की सूची में अपना स्थान बरकरार रखा है। नडाल ने कहा ठउनके करियर के इस पड़ाव पर सबसे महत्वपूर्ण बात स्वास्थ्य और खुशी है। अगर वह काफी स्वस्थ है और टेनिस कोर्ट पर वापस आने के लिए तैयार हैं तो यह आश्चर्यजनक होगा। यदि नहीं, तो हम उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया है उसके लिए हम उन्हें धन्यवाद कह सकते हैं। मुझे विश्वास है कि हम कुछ समय के लिए रोजर के साथ रहेंगे। हां, मैं उसके साथ लेवर कप में टीम साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता।

पूर्व महिला क्रिकेटर बोलीं- पाकिस्तान के खिलाफ राहुल नहीं बल्कि यह खिलाड़ी बने रोहित का जोड़ीदार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । अंजुम ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल की अनुपस्थिति के बारे में भी बात की। दोनों खिलाड़ी चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट के पास बहुत सारे विकल्प हैं। भारत की पूर्व दिग्गज महिला क्रिकेटर और कप्तान अंजुम चोपड़ा ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच से पहले बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उपकप्तान केएल राहुल को ही महामुकाबले की भारतीय प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया है। अंजुम का कहना है कि भारतीय टीम को छह गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरना चाहिए। ऐसे में एक ऐसे खिलाड़ी से ओपनिंग कराई जाए जो कि टीम में मल्टीपरपस हो। अंजुम का मानना है कि छह गेंदबाजों के खेलने से भारतीय बॉलिंग अटैक में धार आएगी। उन्होंने कहा कि ऋषभ पंत को रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग भेजा जाना चाहिए। अंजुम ने यूट्यूब पर अपने चैनल में कहा- मुझे लगता है कि भारत को छह विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ जाना चाहिए। इस तरह गेंदबाजी लाइन-अप को सीम, ऑफ-स्पिन और लेग-स्पिन के साथ अच्छी तरह से कवर किया जा सकता है। यह बल्लेबाजी लाइन-अप को भी बढ़ाता है। ओपनिंग कौन करेगा, बीच में कौन बल्लेबाजी करेगा, यह कुछ ऐसा है जो कॉच पर निर्भर करता है। अंजुम ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल की अनुपस्थिति के बारे में भी बात की। दोनों खिलाड़ी चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट के पास बहुत सारे विकल्प हैं। अंजुम ने कहा- चयनकर्ता 25 खिलाड़ियों की बेंच स्ट्रेंथ से खिलाड़ी चुन सकते है, शायद इससे भी ज्यादा। कोई भी उनमें से खेल सकता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि बुमराह और हर्षल जैसे खिलाड़ी अनुपलब्ध है। भारत एक बहुत मजबूत टीम की तरह दिखता है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में भारत के पास एक अच्छी ऑलराउंड टीम है। अंजुम चोपड़ा की संभावित एकादशः रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, दीपक हुड्डा/दिनेश कार्तिक, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार।

भारत के खिलाफ मैच में काली पट्टी बांधकर उतरे पाकिस्तानी खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । क्या है कारणपाकिस्तान की टीम 10 महीने बाद भारत के खिलाफ खेलने उतरी। उसने पिछली बार टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को हराया था। वह पहली बार किसी वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ जीतने में सफल रहा था। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला रविवार को खेला जा रहा है। इस मैच में बाबर आजम की टीम बाजू पर काली पट्टी बांधकर उतरी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को कहा था कि टीम देश भर में बाढ़ प्रभावित लोगों के प्रति अपनी एकजुटता और समर्थन व्यक्त करने के लिए भारत के खिलाफ काली पट्टी बांधेगी। पाकिस्तान में बाढ़ से मरने वालों की संख्या एक हजार को पार कर गई है और जून के बाद से हजारों लोग घायल या विस्थापित हुए हैं। दोनों टीमें दस माह पहले टी-20 विश्वकप में भिड़ी थीं। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम टी-20 विश्वकप में मिली हार का बदला लेने के साथ ही एशिया कप में प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ छह साल से चले आ रहे विजय अभियान को भी जारी रखना चाहेगी। 2016 एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान को एक और 2018 में दो बार हराया था। पाक को आफरीदी तो भारत को खलेगी बुमराह की कमी पाकिस्तान को शाहीन शाह आफरीदी की कमी खलेगी तो भारत के लिए भी जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति किसी झटके से कम नहीं है। वह पीठ की चोट के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हैं। उनके अलावा टी-20 के विशेषज्ञ गेंदबाज हर्षल पटेल भी पसलियों की चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। दोनों टीमों की प्लेइंग-11 पाकिस्तानः बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), फखर जमान, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, आसिफ अली, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, हारिस रऊफ, शाहनवाज दहानी। भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह।

34 साल के बेंजेमा बने यूरोप के श्रेष्ठ फुटबॉलर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । रियल मैड्रिड के साथ चैंपियंस लीग और ला लीगा जीतेबेंजेमा ने ला लिगा और सुपरकोपा डि स्पेना में भी टीम को सफलता दिलाई। फ्रांस की टीम के साथ उन्होंने नेशंस लीग जीता। पेरिस सेंट जर्मेन और चेल्सी के खिलाफ उन्होंने हैट्रिक लगाई। करीम बेंजेमा और एलेक्सिया पुटेलास ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में यूएफा श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीत लिया। इस तरह इस बार दोनों वर्गों में स्पेनिश क्लबों का दबदबा रहा। बेंजेमा ने रियल मैड्रिड के लिए चैंपियंस लीग में 15 गोल किए और 14वां यूरोपीय खिताब दिलाया। 34 साल के बेंजेमा ने अपनी ही टीम के साथी गोलकीपर थिबुट कोटीइस और मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर केविन डि ब्रुइन को पछाड़ा। बेंजेमा ने ला लिगा और सुपरकोपा डि स्पेना में भी टीम को सफलता दिलाई। फ्रांस की टीम के साथ उन्होंने नेशंस लीग जीता। पेरिस सेंट जर्मेन और चेल्सी के खिलाफ उन्होंने हैट्रिक लगाई। इस पुरस्कार के साथ उन्होंने अक्तूबर में दिए जाने वाले बेलन डि ओर पुरस्कार के लिए भी अपना दावा मजबूत किया है।

राशीफल

मेष-: परिवर्तन और आत्मनिरीक्षण इस अवधि के दौरान सफलता की कुंजी है। आज आपको गुणवत्ता और प्रदर्शन पर जोर देना होगा।

वृष-: आपको करियर के मामले में कोई बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आज आप कुछ ऐसे लोगों से जुड़ेंगे जो आपकी हर तरह से मदद के लिए तैयार रहेंगे।

मिथुन-: धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी. कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा व्यस्त और तनावपूर्ण होगी। कार्यस्थल पर कार्यभार में तेजी से वृद्धि देखने को मिल सकती है।

कर्क-: आप अपने भविष्य और स्वास्थ्य को लेकर अधिक उत्सुक रहेंगे और सही लोगों से सलाह लेंगे. प्रचुर मात्रा में आर्थिक लाभ होने के संकेत हैं।

सिंह-: कार्यस्थल पर स्थिति अनुकूल रहेगी, लेकिन कुछ भी बोलते समय आपको सावधान रहना चाहिए. आप कुछ कहना चाहते हैं, लेकिन कुछ और कहेंगे। इससे आपके आसपास के लोगों को कुछ गलतफहमी भी हो सकती है।

कन्या-: आपका ज्ञान और हास्य आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. आप अपनी मानसिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देख सकते हैं। यात्रा करने के लिए यह दिन आपके लिए बेहद खास रहने वाला है।

तुला-: लंबे समय से प्रतीक्षित कानूनी मामले का अचानक लिया गया फैसला आपको हैरान कर देगा। परिवार आपके लिए प्राथमिक है और आप उन्हें खुश करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

वृश्चिक-: आपके वैवाहिक संबंधों के बीच की दूरियां खत्म होंगी. वहीं रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी, लेकिन किसी व्यावसायिक मामले को लेकर आप परेशान हो सकते हैं।

धनु-: आपको परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा. आपके लिए कुछ फैसलों में सटीकता हो सकती है। आत्मविश्वास से जोखिम भरे कार्यों में सफलता मिल सकती है।

मकर-: के दिन आप तर्क-वितर्क और जिद्दी हो सकते हैं. आप खुद को कठिन परिस्थितियों में पा सकते हैं। जहां तक ??हो सके वाद-विवाद से दूर रहें। परिवार के सदस्य तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं।

कुंभ-: आपको कार्यक्षेत्र में वृद्धि के कुछ नए अवसर प्राप्त होंगे. आपको उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिलेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर कर सकते हैं। रिश्तों में सकारात्मकता आएगी।

मीन-: आपका दिन सुकून भरा रहेगा मनोरंजन और पढ़ाई के क्षेत्र में समय व्यतीत होगा. आपके काम को लेकर कोई नई योजना बन सकती है।

ऑस्कर की रेस में गंगूबाई और फेक न्यूज पर भड़का कॉमेडियन का परिवार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । पढ़ें मनोरंजन जगत की 10 खबरेंमनोरंजन जगत में रोजाना बहुत कुछ होता है और वीकएंड सिनेमा जगत के लिए खास हो जाता है। इस दिन कलाकार अपनी फिल्मों का ज्यादा से ज्यादा प्रमोशन करते हैं। तो कुछ अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हैं। आज भी कुछ ऐसा हुआ। आलिया भट्ट अपनी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' का प्रचार करती नजर आई। इसके अलावा, अनुपम खेर ने करण जौहर और आदित्य चोपड़ा के लिए एक बयान दिया है, जो हैरान करने वाला है।

आइए आपको आज की 10 बड़ी खबरों के जरिए मनोरंजन जगत का हाल बताते हैं। संजय लीला भंसाली की फिल्में केवल भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी कमाल करती हैं। अब तक उनकी कई फिल्मों को विदेशी ऑडियंस पसंद कर चुकी है। पिछले 2 दशकों की बात करें तो प्रतिष्ठित ऑस्कर समारोह में सबसे करीब साल 2002 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'देवदास' पहुंची थी। इस फिल्म में शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित नजर आए थे। इस बीच नवीनतम चर्चा यह है कि आलिया भट्ट अभिनीत 'गंगूबाई काठियावाड़ी' ऑस्कर में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि हो सकती है। देश के मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की हालत अब ठीक है। हालांकि, 17 दिनों बाद भी वह वेंटिलेटर पर हैं। स्पेशल डॉक्टर्स की टीम कॉमेडियन को होश में लाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रही है। परिवार और फैंस भी लगातार राजू श्रीवास्तव के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। लेकिन, कुछ ऐसे लोग भी हैं जो अपने फायदे के लिए राजू की सेहत से जुड़ी झूठी खबरें फैला रहे हैं। सोशल मीडिया चल रही इन फर्जी खबरों से परिवार वाले परेशान हो गए हैं। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर 'ब्रह्मास्त्र' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। जैसे-जैसे 'ब्रह्मास्त्र' बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देने की तरफ आगे कदम बढ़ा रही है, वैसे-वैसे फिल्म को लेकर हर रोज नया अपडेट सामने आ रहा है।

जहां अयान मुखर्जी फिल्म का कॉन्सेप्ट समझाने और इसके प्रचार में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं, वहीं इस फिल्म पर भी सोशल मीडिया पर चल रहे बायकॉट ट्रेंड की तलवार लटक रही है। इन सबके बीच अब खबर आ रही है कि फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के यूनिवर्स में एस एस राजामौली के बाद अब साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की भी एंट्री हो चुकी है। इस खबर को लेकर फैंस तरह-तरह की प्रतिक्रियां साझा कर रहे हैं। सिनेमा जगत के दिग्गज कलाकार अनुपम खेर पिछले कई दशकों से बॉलीवुड में अपने अभिनय का जलवा दिखा रहा है। इन दिनों उनकी तेलुगू फिल्म 'कार्तिकेय 2' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। ऐसे में उनकी गिनती बॉलीवुड ही नहीं साउथ के भी सफल अभिनेताओं में होने लगी है। वहीं, इससे पहले वह 'द कश्मीर फाइल्स' में नजर आए थे, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अभिनेता अभी कई साउथ की फिल्मों में नजर आने वाले हैं, लेकिन उन्हें इस बात का दुख है कि अब उन्हें मेनस्ट्रीम फिल्मों में काम नहीं मिल रहा। अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी प्रेगनेंसी के साथ ही 'ब्रह्मास्त्र' को लेकर भी लगातार सुखिर्यां बटोर रही है। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित 'ब्रह्मास्त्र' रिलीज के लिए तैयार है, ऐसे में आलिया भी पति रणबीर कपूर की तरह वह भी इस फिल्म के प्रमोशन के लिए फैंस के बीच उतर चुकी हैं। ब्रह्मास्त्र की पूरी टीम अलग-अलग शहरों और राज्यों में जाकर प्रचार में लगी हुई है, वहीं अब आलिया भट्ट फिल्म के प्रमोशन के लिए बॉम्बे आईआईटी इंस्टीट्यूट पहुंची है। जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी है। इन दिनों चारों तरफ बीजेपी की नेता और टिक टॉक स्टार सोनाली फोगाट के निधन की खबरें सुखिर्यां बटोर रही है। अचानक हुए उनके निधन ने सभी को हैरान कर दिया था। जहां पहले कहा जा रहा था कि सोनाली का निधन हार्ट अटैक के कारण हुआ है, वहीं पोस्टमार्टम के बाद खबरें आ रही है कि उनका मर्डर किया गया है। ऐसे में हर कोई उनके निधन पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया साझा कर रहा है। इन्हीं सेलेब्स में से एक है बिग बॉस शो की एक्स कंटेस्टेंट अर्शी खान। अर्शी खान ने एक साक्षात्कार में सोनाली के निधन पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। केआरके यानी कमाल राशिद खान अक्सर फिल्म स्टार्स पर निशाना साधते नजर आते हैं। वह अक्सर अपने यूट्यूब चैनल पर बॉलीवुड फिल्मों का रिव्यू भी करते हैं और ट्वीट के जरिए जमकर टिप्पणी करते हैं। हालांकि उनके ज्यादातर बयान विवादित ही रहते हैं। शायद ही ऐसा मुश्किल ही कोई दिन जाता होगा, जब केआरके किसी स्टार या बॉलीवुड फिल्म पर निशाना न साधते हों और इस बार उन्होंने एक नहीं बल्कि कई बॉलीवुड अभिनेताओं को निशाने पर लिया है, साथ ही उनकी फिल्मों के नाम भी साझा किए हैं। हरियाणा की डांसिंग क्वीन सपना चौधरी इन दिनों मुश्किलों में फंसी हुई हैं। सपना चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया था, जिसके बाद खबर आई थी कि यूपी पुलिस डांसर को गिरफ्तार करने हरियाणा रवाना भी हुई है। ऐसे में अब सपना पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। इसी बीच सपना चौधरी ने सोशल मीडिया पर अपना एक मजेदार वीडियो शेयर किया है। सपना की क्यूट अदाएं सपना चौधरी ने यह वीडियो अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें वह क्यूट एक्सप्रेशन से फैंस को घायल कर रही हैं। वीडियो में सपना फिल्म 'हैप्पी न्यू इयर' में दीपिका पादुकोण के एक डायलॉग पर लिपसिंग कर रही हैं। इस वीडियो में सपना कहती दिख रही हैं, 'ईजी लगती है मोहिनी का डांस ईजी नहीं है डांस एक पूजा है, डांस एक पूजा है पूजा' सपना के इस वीडियो को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सपना का देसी अवतार लुक की बात करें तो सपना ने सफेद रंग का कुर्ता और पीले रंग का प्लाजो सेट पहना हुआ है और साथ में मैचिंग दुपट्टा लिया हुआ है। स्टाइलिश हेयरस्टाइल और लाइट मेकअप में वह काफी सुंदर लग रही है। इस वीडियो के साथ सपना चौधरी ने कैप्शन में लिखा, 'बिल्कुल इजी नहीं है।'सपना चौधरी पर आयोजक की तरफ से धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है, जिसके बाद कोर्ट में न पेश होने की वजह से उनके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया गया है। यह विवाद साल 2018 का है। सपना पर पैसे लेकर इवेंट नहीं करने का आरोप है। इस धोखाधड़ी के मामले में कोर्ट की तरफ से सपना चौधरी को बार-बार पेश होने का आदेश दिया गया था। लेकिन जब वह पेश नहीं हुईं, तब कोर्ट ने सपना के खिलाफ गैरजमानती वारंट इशू किया है।

श्रीवल्ली' की दरियादिली पर दिल हार बैठे फैंस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । बॉलीवुड सितारों को घमंडी बोल कसा तंजसाउथ सिनेमा की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आए दिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। पुष्पा में श्रीवल्ली का किरदार निभा लोगों के दिलों अपने लिए एक खास जगह बनाने वाली रश्मिका की फैन फॉलोइंग साउथ ही नहीं अब पूरे देश में है। अभिनेत्री को हाल ही में एयरपोर्ट पर

स्पॉट किया गया था। जहां उनका फैंस के साथ किया गया व्यवहार लोगों को इतना पसंद आया कि अब वे उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इसके अलावा वह बॉलीवुड सितारों पर भी तंज कस रहे हैं। दरअसल, रश्मिका मंदाना को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था। इस दौरान अभिनेत्री के ब्लू कुर्ती और जींस में सादगी भरे लुक ने फैंस के दिल को जीत लिया। लेकिन रश्मिका मंदाना के उनके फैंस के साथ किए गए व्यवहार ने फैंस को सबसे ज्यादा इंप्रेस किया। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि रश्मिका मंदाना एयरपोर्ट पर मौजूद अपने फैंस से बड़े प्यार से मिलती हैं और सभी के साथ फोटो क्लिक कराती हैं। इसके बाद जब वह गाड़ी में बैठ जाती हैं, तो अपने हाथों से हार्ट बनाकर सभी को बाय कहती हैं। रश्मिका मंदाना का यह अंदाज उनके फैंस को बहुत पसंद आया और अब सोशल मीडिया पर उनकी खूब तारीफ हो रही है। इसके साथ ही कुछ यूजर्स बॉलीवुड सितारों को रश्मिका से सीख लेने की भी बात कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'ऐसी होने चाहिए एक्ट्रेस सिंपल और स्वीट', तो दूसरे ने लिखा, 'रश्मिका को देख लो तो सब खुशनुमा सा लगता है।' वहीं, एक अन्य ने कहा, 'यही तो साउथ वालों की खूबी है', तो दूसरे ने कहा, 'बॉलीवुड के सितारों में बहुत घमंड है जबकि साउथ के सितारे हमेशा जमीन से जुड़े रहते हैं।' रश्मिका मंदाना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सीता रामम' में नजर आई थीं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन किया है और 2 सितंबर को हिंदी में भी रिलीज होने के लिए तैयार है। वहीं, वह अमिताभ बच्चन के साथ 'गुडबाय' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इसके अलावा वह 'पुष्पा 2' और 'एनीमल' में भी दिखाई देंगी।

अनसूया भारद्वाज ने दी विजय देवरकोंडा के फैंस को हिदायत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । बोलीं- सबके स्क्रीनशॉट ले रही हूंसाउथ एक्ट्रेस अनसूया भारद्वाज अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपने बयानों को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। यूं तो अक्सर वह अपनी बेबाक बयानी के चलते ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं, मगर हालिया मामला विजय देवरकोंडा से जुड़ा है। दरअसल, अनसूया ने हाल ही में एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने विजय देवरकोंडा का नाम तो नहीं लिखा, मगर एक्टर के फैंस इस ट्वीट को उनसे जोड़कर देख रहे हैं और अनसूया को ट्रोल कर रहे हैं। हालांकि, अनसूया भी कम नहीं पड़ रहीं। उन्होंने विजय देवरकोंडा के फैंस को हिदायत दे डाली है। बता दें कि विजय देवरकोंडा की हालिया रिलीज फिल्म 'लाइगर' को क्रिटिक्स से कुछ खास तारीफ नहीं मिली है। तमाम दर्शक भी फिल्म में खामियां निकाल रहे हैं। इस बीच अनसूया ने भी एक ट्वीट किया। हालांकि, उन्होंने अपने ट्वीट में न तो 'लाइगर' का नाम लिखा और न ही विजय देवरकोंडा का। मगर, विजय के फैंस को अनसूया का ट्वीट अखर गया है। इतना ही नहीं, इसके लिए उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। देखते ही देखते अनसूया और विजय देवरकोंडा के फैंस के बीच ऑनलाइन युद्ध छिड़ गया है। यूजर्स अनसूया के ट्वीट पर भद्दे कमेंट्स पोस्ट कर रहे हैं और मीम्स बनाकर उनकी खिल्ली उड़ा रहे हैं। वे अनसूया की एज शेमिंग भी कर रहे हैं और उन्हें 'आंटी' कहकर संबोधित कर रहे हैं। यूजर्स एक्ट्रेस के विरोध में उनके

लिए हैशटैग #आंटी ट्रेंड करा रहे हैं। लगातार आ रहे हैं इस तरह के कमेंट्स से परेशान होने के बाद अब अनसूया ने ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही है। बता दें कि अनसूया ने अपने हालिया ट्वीट में सभी ट्रोलर्स को चेतावनी दे डाली है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि यह उनकी तरफ से आखिरी चेतावनी है, इसके बाद सीधे एक्शन लिया जाएगा। एक्ट्रेस ने लिखा है, 'आंटी कहकर मेरी एज शेमिंग की जा रही है। मेरे परिवार को घसीटा जा रहा है। मुझे गाली देने वाले हर एक का स्क्रीनशॉट ले रही हूं। मैं केस फाइल करूंगी और इसे ऐसे मोड़ पर लेकर जाऊंगी, जहां आपको मेरे साथ अभद्रता करने का पछतावा होगा। यह मेरी आखिरी चेतावनी है।आपको बता दें कि सोशल मीडिया पर अनसूया और विजय देवरकोंडा के फैंस के बीच विवाद अनसूया के एक ट्वीट के बाद शुरू हुआ। दरअसल, 'लाइगर' को मिले खराब रिव्यूज के बाद अनसूया ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से एक पोस्ट लिखा था। उन्होंने तेलुगू भाषा में यह ट्वीट लिखा और कहा, 'मां का दर्द कभी बेकार नहीं जाएगा, कर्म हमेशा लौटकर आता है। भले ही वक्त ले, लेकिन आना तय है!!' अनसूया के इस दो लाइन के पोस्ट को जहां सोशल मीडिया का एक वर्ग विजय देवरकोंडा से जोड़कर देखने लगा, वहीं कुछ लोग एक्ट्रेस से कह रहे हैं कि वह अपने इस ट्वीट का मतलब स्पष्ट करें। आपको बता दें कि विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे अभिनीत 'लाइगर' 25 अगस्त को रिलीज हुई है। यह फिल्म पुरी जगननाथ निर्देशन में बनी है।

मुंबई में संग्राम सिंह-पायल रोहतगी का वेडिंग रिसेप्शन,इन सितारों ने की शिरकत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । देखें तस्वीरें कॉमन वेल्थ हैवी वेट विनर संग्राम सिंह और एक्ट्रेस पायल रोहतगी की शादी को डेढ़ महीने भले बीत गए हैं लेकिन जश्न का सिलसिला अब तक चल रहा है। आगरा में ग्रैंड वेडिंग, दिल्ली और अहमदाबाद में रिसेप्शन के बाद अब इन दोनों ने कल शनिवार को

मुंबई में जुहू के क्लब-द मिलेनियम होटल में रिसेप्शन का आयोजन किया। जहां बॉलीवुड की नामी हस्तियों के अलावा राजनीति के क्षेत्र से जुड़े भी कुछ चेहरे नजर आए। संग्राम सिंह और पायल रोहतगी को बधाई देने के लिए सबसे पहले निर्देशक मधुर भंडारकर,अभिनेत्री पूनम ढिल्लों, बिंदु दारा सिंह, कांग्रेसी नेता संजय निरुपम पहुंचे। इसके बाद धीरे धीरे और भी लोगों का आना शुरू हुआ, जिसमें अभिनेत्री पूनम पांडे, कमेडियन सुनील पाल, एहसान खान, निर्माता निर्देशक धीरज कुमार, अभिनेत्री गौहर खान, फ्लोरा सैनी नजर आए। इस अवसर पर संग्राम सिंह काले सूट में काफी जंच रहे थे तो वहीं अभिनेत्री पायल रोहतगी लाल पोशाक में काफी एलिगेंट लग रही थीं। पायल रोहतगी कहती है,ठहम पति-पतने के रूप में अपने जीवन के एक खूबसूरत दौर से गुजर रहे है और संग्राम मेरी शादी का सबसे बड़ा तोहफा है। गौरतलब है कि अभिनेत्री पायल रोहतगी और संग्राम सिंह बीते 12 सालो से एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में रहे। अपने लंबे रिलेशनशिप के बाद पायल और संग्राम ने रियलिटी शो लॉकअप के दौरान अपनी शादी का एलान किया था। इसके बाद दोनों ने पिछले महीने 9 जुलाई को शादी कर ली।

माधव मिश्रा के इंतजार में बैठे फैंस के साथ हुआ धोखा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर जाहिर कर रहे नाराजगीरोहन सिप्पी के निर्देशन में बनी बेहतरीन लीगल ड्रामा वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' का तीसरा सीजन आ चुका है। पंकज त्रिपाठी स्टारर इस सीरीज के पहले दोनों सीजन को भी काफी पसंद किया था और ऐसे में दर्शक काफी समय से तीसरे सीजन का इंतजार कर रहे थे। लेकिन अब जब शो ओटीटी पर स्ट्रीम कर रहा है, तो दर्शक एक बात से खुश नहीं हैं और अपनी नाराजगी वह सोशल मीडिया पर जाहिर कर रहे हैं। 'क्रिमिनल जस्टिस 3' में पंकज त्रिपाठी ने माधव मिश्रा की भूमिका निभाई है। माधव मिश्रा का किरदार ह्यूमर और इमोशन से भरा हुआ है। ऐसे में दर्शक इसे बेहद पसंद करते हैं। तीसरे सीजन को दर्शकों का प्यार तो मिल रहा है, लेकिन वह मेकर्स से खफा भी हैं। उन्हें लग रहा है, जैसे उनके साथ धोखा हुआ है। दरअसल, शो 26 अगस्त से डिजनी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम कर रहा है, लेकिन अभी सिर्फ दो एपिसोड ही रिलीज हुए हैं। मेकर्स का प्लान है कि शो के बाकी एपिसोड साप्ताहिक योजना के तहत एक-एक करके रिलीज किए जाए। दर्शकों को मेकर्स की ये बात अच्छी नहीं लगी और वो उनकी आलोचना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर दर्शक सवाल भी कर रहे हैं कि आखिर क्यों सभी एपिसोड को एक साथ स्ट्रीम नहीं किया जा रहा है। वहीं, कुछ दर्शक इसे मेकर्स की स्ट्रेटजी बता रहे है। उनका कहना है कि दो एपिसोड आने के बाद से ही दर्शक इसकी चर्चा करने लगे हैं। ऐसे में शो को कुछ नए दर्शक भी मिल जाएंगे और लोगों की नए एपिसोड को लेकर दिलचस्पी भी बढ़ जाएगी। इसलिए हो सकता है कि मेकर्स ने ये योजना बनाई हो।

'क्रिमिनल जस्टिस' की कहानी की बात करें तो तीसरे सीजन में दिखाया गया है कि माधव मिश्रा को एक केस मिलता है, जिसमें जीतने की उम्मीद बहुत कम नजर आ रही है। माधव मिश्रा को मुकुल नाम के बच्चे का केस लड़ना है, जिस पर उसकी ही सौतेली बहन जारा की हत्या का आरोप लगा है। वहीं, शो में पंकज त्रिपाठी, श्वेता बसु प्रसाद, पूरब कोहली, स्वास्तिका मुखर्जी और गौरव गेरा मुख्य भूमिकाओं में है।

भयंकर तूफान में सैर-सपाटे पर निकलीं सारा अली खान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली ।फैंस के साथ साझा किया मजेदार वीडियोअभिनेत्री सारा अली खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी स्टाइलिश तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ साझा करती नजर आती हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है। इसमें वह तूफान के बीच फंसी नजर आ रही हैं। भारी तूफान के बीच ही सारा बाइक पर घूमने निकल पड़ी हैं। इसके साथ सारा ने मजेदार कैप्शन साझा किया है। सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह वीडियो साझा किया है। वीडियो में सारा समुद्र के किनारे खड़ी नजर आ रही हैं। वह कहती हैं, 'नमस्कार दर्शकों जैसा कि आप देख सकते हैं कि हम काफी देर से इंतजार कर रहे हैं। कैसे समझाएं हम आपको । मैं इससे ज्यादा राइमिंग नहीं कर सकती। मानसून में मेरी आवाज दब रही है।' इसके बाद सारा वीडियो में बाइक की सवारी करती नजर आ रही हैं। वह कह रही हैं, 'नमस्ते दर्शकों जैसा कि आप देख सकते हैं कि मैं मॉनसून के मौसम में बाइक पर हूं। यह काफी ऐडवेंचरस है। लेकिन, इसके साथ ही आपको ट्रैफिक भी मिलेगा, जो आपको पसंद

नहीं।' दिलचस्प बात यह है कि सारा अली खान कविताई अंदाज में मजेदार तरीके से एंकरिंग करते हुए यह बात कह रही हैं। वीडियो में सारा का लुक भी काफी शानदार लग रहा है। वह ब्लैक कलर के शॉर्ट्स और व्हाइट कलर के क्रॉप टॉप में नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्लू और ऑरेंज कलर का एक बैग कैरी किया हुआ है और साथ में रंग-बिरंगी छतरी लिए खड़ी हैं। सारा जिस जगह खड़ी है, वहां काफी तेज तूफान है, जिसकी वजह से सारा अपनी छतरी और खुद को संभालते हुए फैंस से रूबरू हो रही हैं। इस पोस्ट के साथ सारा ने कैप्शन में लिखा है, 'नमस्ते दर्शकों, हवा में उड़ रहे हैं। मुझे यकीन है कि मेरी मुश्किलें देखकर आप मुस्कुराए होंगे। हालांकि, मैं आपको माफ करती हूं। आपने पाप नहीं किया। वास्तव में इस तरह हम सभी जुड़ गए।'सारा के इस पोस्ट पर फैंस की काफी दिलचस्प प्रतिक्रिया आ रही है। लोग सारा के अंदाज और लुक दोनों पर फिदा हो रहे हैं। मगर, साथ ही सारा को हेलमेट पहनने की सलाह भी दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'दर्शकों वेलकम'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'उड़ जाओगी'। बाइक पर सारा को बिना हेलमेट देख एक यूजर ने पूछा, 'आपका हेलमेट कहां है?' एक यूजर ने लिखा, 'ग्राउंड रिपोर्टिंग इसे कहते हैं।'

ब्रह्मास्त्र' के प्रमोशन के दौरान आलिया ने गाया 'केसरिया' सॉन्ग

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली । वायरल हुआ वीडियोआलिया भट्ट और रणबीर कपूर जल्द ही फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में पहली बार एक साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म को रिलीज होने में महज दो हफ्तों का ही समय बचा है यही

वजह है कि दोनों ने अब इसका प्रमोशन शुरू कर दिया है। हाल ही में फिल्म के दोनों कलाकार घ्ऊ बॉम्बे में नजर आए। आलिया भट्ट इस कार्यक्रम में अपनी फिल्म के रोमांटिक गीत 'केसरिया' को गाती नजर आईं। आलिया का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक्ट्रेस को गाते हुए देखा जा सकता है, जबकि उनके बगल में बैठे उनके पति रणबीर कपूर ने उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं। इस इवेंट में आलिया ब्राउन रंग की टी शर्ट में सुंदर लग रही थी इसके साथ उन्होंने बेल-बॉटम जींस पहना हुआ था। आलिया का गाना सुनकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, 'कितनी अच्छी आवाज है।' वहीं एक यूजर ने कहा, 'आपने बहुत अच्छा गाया।' इसके अलावा ज्यादातर यूजर्स इस वीडियो पर हार्ट इमोजी शेयर कर रहे हैं। इस कार्यक्रम से पहले, उन्होंने अपने आउटफिट को दिखाते हुए कुछ तस्वीरें भी शेयर की थीं। इसके साथ उन्होंने एक कैप्शन भी लिखा था। उन्होंने लिखा, 'घ्ऊ बॉम्बे .. यहां हम आते हैं !!! प्रमोशन के लिए धन्यवाद, कम से कम मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैं घ्ऊ में आयी (एक घंटे के लिए)। ब्रह्मास्त्र 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।' 'ब्रह्मास्त्र' की बात करें तो इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। फिल्म में आलिया भट्ट भी हैं जो ईशा का किरदार निभा रही हैं।

गिरफ्तारी की खबरों के बीच सपना चौधरी ने शेयर किया वीडियो

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली ।फैंस से बोलीं- बिल्कुल आसान नहीं हैसपना चौधरी ने सोशल मीडिया पर अपना नया वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह दीपिका

पादुकोण के मशहूर डायलॉग पर एक्ट करके दिखा रही हैं। हरियाणा की डांसिंग क्वीन सपना चौधरी इन दिनों मुश्किलों में फंसी हुई हैं। सपना चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया था, जिसके बाद खबर आई थी कि यूपी पुलिस डांसर को गिरफ्तार करने हरियाणा रवाना भी हुई हैं। ऐसे में अब सपना पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। इसी बीच सपना चौधरी ने सोशल मीडिया पर अपना एक मजेदार वीडियो शेयर किया हैं। सपना की क्यूट अदाएं सपना चौधरी ने यह वीडियो अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें वह क्यूट एक्सप्रेशन से फैंस को घायल कर रही हैं। वीडियो में सपना फिल्म 'हैप्पी न्यू इयर' में दीपिका पादुकोण के एक डायलॉग पर लिपसिंग कर रही हैं। इस वीडियो में सपना कहती दिख रही हैं, 'ईजी लगती है मोहिनी का डांस ईजी नहीं है डांस एक पूजा है, डांस एक पूजा है पूजा' सपना के इस वीडियो को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सपना का देसी अवतार लुक की बात करें तो सपना ने सफेद रंग का कुर्ता और पीले रंग का प्लाजो सेट पहना हुआ है और साथ में मैचिंग दुपट्टा लिया हुआ है। स्टाइलिश हेयरस्टाइल और लाइट मेकअप में वह काफी सुंदर लग रही है। इस वीडियो के साथ सपना चौधरी ने कैप्शन में लिखा, 'बिल्कुल इजी नहीं है।'सपना चौधरी पर आयोजक की तरफ से धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है, जिसके बाद कोर्ट में न पेश होने की वजह से उनके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया गया है। यह विवाद साल 2018 का है। सपना पर पैसे लेकर इवेंट नहीं करने का आरोप है। इस धोखाधड़ी के मामले में कोर्ट की तरफ से सपना चौधरी को बार-बार पेश होने का आदेश दिया गया था। लेकिन जब वह पेश नहीं हुईं, तब कोर्ट ने सपना के खिलाफ गैरजमानती वारंट इशू किया है।

रेड ड्रेस में बला की खूबसूरत लगीं मोनालिसा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली ।सोशल मीडिया पर साझा कीं अपने इवेंट की तस्वीरेंभोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। वह अक्सर फैंस के साथ स्टाइलिश तस्वीरें और

वीडियो साझा करती नजर आती हैं। फैंस भी अपनी चहेती अदाकारा के लुक पर खूब प्यार लुटाते है। एक बार फिर मोनालिसा ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। उनकी इन तस्वीरों को खूब पसंद किया जा रहा है। मोनालिसा ने कुल आठ तस्वीरें साझा की हैं। हर तस्वीर में उनका लुक बेहद स्टाइलिश लग रहा है। भोजपुरी से लेकर टीवी तक में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकीं मोनालिसा हालिया तस्वीरों में रेड कलर के आउटफिट में नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर सामने आई फोटोज में देखा जा सकता है कि मोनालिसा कभी स्टेज पर परफॉर्म करते हुए नजर आ रही हैं तो कभी मिरर के सामने पोज देते हुए दिखाई दे रही हैं। पहली तस्वीर में मोनालिसा डांस पोज देती नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह शर्माते हुए पोज देती नजर आ रही हैं। बाकी तस्वीरों में भी मोनालिसा का जबरदस्त स्वैग देखा जा सकता है। आपको बता दें कि मोनालिसा की ये तस्वीरें एक इवेंट के दौरान की हैं, जो धनबाद में हुआ। तस्वीरों के साथ मोनालिसा ने कैप्शन लिखा है, 'बूम।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक:-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।